Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 311 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 04 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

झूठ से मेल करने से जीवन की सम्पदा नष्ट हो जाती है।

The wealth of life will get destroyed if we meet falshood.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार 04 जून को 2025 को दोपहर 12.00 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक अटल नगर नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित होगी।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, एससी परिवारों का 68 करोड़ का कर्ज माफ

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब सरकार ने कैबिनेट मीटिंग में एससी परिवारों के कर्ज माफ करने के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी है। मीटिंग में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बीस साल का लोगों का कर्ज माफ किया गया है। इस कर्ज में 30 करोड़ मूल धन, 23 करोड़ ब्याज और 15 करोड़ पेनल इंट्रस्ट है। यह पिछले 20 सालों से बकाया राशि थी। सीएम मान ने कहा कि हजारों परिवारों के लिए राहत का दिन है। उन्होंने कहा कि बजट में वित्त मंत्री ने कर्जमाफी को लेकर जो वादा किया था, अब उसे पूरा किया जा रहा है। 68 करोड़ का कर्ज एससी परिवारों पर बकाया था।

अभिनेता कमल हासन को हाईकोर्ट ने लगाई फटकारा

बेंगलुरु। कन्नड़ भाषा पर दिए कमल हासन के बयान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को अभिनेता को कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए फटकार लगाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ प्रभावित असम और सिक्किम के मुख्यमंत्री से की बात

प्रधानमंत्री ने हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों से बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति पर बात की। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से बात की। इस दौरान उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया। इससे पहले, सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्सों में हो रही लगातार भारी बारिश पर गहरी चिंता जताई थी।

जे.पी. नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया है। नड्डा ने अपनी पोस्ट में लिखा, पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए बहुत चिंतित हूं। मैंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मैं प्रभावित क्षेत्रों में सभी से आग्रह करता हूं कि वे आवश्यक सावधानी बरतें, अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें।

बीते रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम (हिमंत बिस्वा सरमा), अरुणाचल प्रदेश (पेमा खांडू) और सिक्किम (प्रेम सिंह तमांग) के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल (अजय कुमार भल्ला) से टेलीफोन पर बातचीत कर बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी। विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकारियों के अनुसार, 29 मई से जारी बारिश और बाढ़ के दौरान हुई 34 मौतों में असम में कम से कम 10 लोग मारे गए, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में नौ, मेघालय और मिजोरम में छह-छह, त्रिपुरा में दो और नागालैंड में एक व्यक्ति की मौत हुई।

पाकिस्तान में भारत के एक और दुश्मन का खात्मा

इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान में भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले एक और आतंकी का अंत हो गया है। जैश-ए-मोहम्मद के वरिष्ठ कमांडर मौलाना अब्दुल अजीज इसर की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस खबर ने खुफिया एजेंसियों से लेकर आतंकी संगठनों तक खलबली मचा दी है। कुख्यात जैश-ए-मोहम्मद का यह आतंकी भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय था। उसकी मौत कैसे हुई, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, उसका शव पाकिस्तान के बहावलपुर में पाया गया है, जहां जैश का मुख्यालय भी स्थित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब्दुल अजीज वही आतंकी था जिसने पिछले महीने जैश की एक रैली में भारत को धमकी देते हुए कहा था कि भारत का हश्र भी सोवियत संघ जैसा होगा। उसका यह सपना तो पूरा नहीं हो सका, लेकिन आज वह खुद मौत के मुंह में समा गया है।

संसद का विशेष सत्र नहीं बुलाएगी सरकार, ऑपरेशन सिंदूर पर मानसून सेशन में हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद के विशेष सत्र की विपक्ष की बढ़ती मांग के बीच, सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि सरकार इस पर विचार नहीं कर रही है। नियमित मानसून सत्र पहले से ही जुलाई में निर्धारित है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, विशेष सत्र की मांग उचित नहीं है क्योंकि संसद का अगला सत्र नजदीक है। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और चौफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के हालिया बयान पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग के बाद आया है, जिन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमानों को मार गिराए जाने पर टिप्पणी की थी, लेकिन ब्यौरा नहीं बताया था।

सूत्रों के अनुसार, सरकार संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराने पर विचार कर सकती है, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मानसून सत्र में बयान दे सकते हैं। उन्होंने इस चर्चा को भी खारिज कर दिया कि 25-26 जून को 'आपातकाल' की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा, आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए विशेष सत्र आयोजित करने की चर्चा पर कोई सच्चाई नहीं है यह कुछ नेताओं की कल्पना मात्र है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान केंद्र को शुरुआती समर्थन देने के बाद राहुल गांधी समेत कई कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर हमले तेज कर दिए। राहुल ने पूछा कि 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तान के साथ चार दिनों तक चली सैन्य मुठभेड़ में भारत ने कितने विमान गंवाए। सरकार ने पाकिस्तान और उसके आतंकवाद को समर्थन देने तथा आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को उजागर करने के लिए दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भी भेजे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को चिनाब ब्रिज का करेंगे उद्घाटन

चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई बना, जो पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के लोगों को दो दशक के इंतजार के बाद चिनाब ब्रिज मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जून को चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर यह जानकारी साझा की है।

चिनाब रेलवे ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर इस ब्रिज की एक वीडियो भी साझा की है, उन्होंने पोस्ट में लिखा कि इतिहास रचा जा रहा है। बस 3 दिन बाकी हैं! दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज, शक्तिशाली चिनाब ब्रिज, जम्मू और कश्मीर में ऊंचा खड़ा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक (USBRL) का हिस्सा। प्रकृति की सबसे कठिन परीक्षाओं को झेलने के लिए बनाया गया। नए भारत की ताकत और दूरदर्शिता का गौरवशाली प्रतीक। यह ब्रिज जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में स्थित है। इस परियोजना को वर्ष 2003 में मंजूरी दी गई थी। विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब नदी पर 359 मीटर (1,178 फीट) की ऊंचाई पर बना है, जो पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। जम्मू-कश्मीर के रियासी में बक्कल और कौरी के बीच बना आर्च ब्रिज नदी तल से 1,178 फीट ऊपर है, जो कटरा से बनिहाल तक एक महत्वपूर्ण संपर्क बनाता है।

बलात्कार पीड़िताओं से गर्भपात के लिए पहचान पत्र न मांगें अस्पताल : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के सभी अस्पतालों को एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि वे बलात्कार पीड़िताओं से, खासकर जो अदालती आदेश के बाद गर्भपात के लिए आती हैं, उनसे पहचान पत्र की मांग न करें। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने ऐसी पीड़िताओं, विशेषकर नाबालिगों के लिए एक स्पष्ट, व्यावहारिक और संवेदनशील चिकित्सा प्रोटोकॉल की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रक्रियाओं में स्पष्टता की कमी, पहचान दस्तावेजों पर जोर और अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक चिकित्सा जांच में देरी के कारण इस मामले में पीड़िता की परेशानी और बढ़ गई। हाईकोर्ट ने अपने 29 मई के आदेश में कहा कि अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को यह समझना चाहिए कि यौन उत्पीड़न की शिकार, खासकर नाबालिग लड़कियों के मामलों में अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है। अदालत ने यह भी कहा कि मेडिकल प्रोटोकॉल केवल कानूनी आवश्यकताओं का पालन करने तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि उन्हें सहानुभूति, व्यावहारिक सोच और यौन हिंसा के शिकार लोगों द्वारा झेली जाने वाली विशिष्ट कठिनाइयों की गहरी समझ से भी निर्देशित होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दे पर गंभीरता दिखाएं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे : सीएम मोहन यादव

पटना (आरएनएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सरकार से जो सवाल पूछे हैं, उसको लेकर सियासत जारी है। बिहार दौरे पर पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि इस तरह के गंभीर मुद्दे पर उन्हें परिपक्वता दिखानी चाहिए।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, कांग्रेस हमेशा एक ही बात कहती है और यह उनके स्वभाव में है। उन्हें विपक्ष की तरह व्यवहार करना चाहिए, लेकिन ऐसे गंभीर मुद्दे पर मेरा मानना है कि उन्हें परिपक्वता दिखानी चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के बहुत वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी अध्यक्ष भी हैं। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और जिस तरह से हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की, हमने सर्वदलीय टीम भी भेजी है। इसलिए स्वाभाविक रूप से हम उम्मीद करते हैं कि वह इस तरह से बोलें, जिससे हमारे देश की गरिमा बनी रहे। मोहन यादव ने बिहार सरकार के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार जिस तरह से बिहार में काम कर रही है, हमें उम्मीद है कि बिहार में दोबारा सरकार बनेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास का मॉडल खड़ा किया है, वह सब के लिए सीखने लायक हैं और कई सारी चीजें मैं भी सीखूंगा। मैं अपनी ओर से नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बधाई देता हूं।

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान प्रतिशत रुझानों (VTR) साझा करने की प्रक्रिया को उन्नत किया जाएगा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है, जिससे अनुमानित मतदान प्रतिशत रुझानों पर समयबद्ध अद्यतन प्रदान किए जा सकें। यह नई प्रक्रिया पुराने मैनुअल रिपोर्टिंग तरीकों से जुड़ी समय की देरी को काफी हद तक कम कर देगी। यह पहल आयोग की समय पर सार्वजनिक संचार सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिस पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार कई अवसरों पर जोर दे चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के अंतर्गत नियम 49स के तहत, पीठासीन अधिकारी (PRO) को मतदान समाप्ति के बाद मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नामित मतदान एजेंटों को फॉर्म 17C में दर्ज मतों का विवरण देना आवश्यक होता है। यह कानूनी आवश्यकता यथावत बनी रहेगी, लेकिन VTR ऐप को अद्यतन करने की प्रक्रिया, जो अब तक एक सहायक, गैर-संवैधानिक तंत्र के रूप में विकसित हुई थी, को तेज करने के लिए सुव्यवस्थित किया जा रहा है।

इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान के दिन हर दो घंटे में ECINET ऐप में मतदान प्रतिशत दर्ज करेंगे ताकि मतदान रुझानों के अद्यतन करने में लगने वाले समय में कमी आएगी। यह जानकारी स्वत: निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संकलित की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पहले की तरह हर दो घंटे में प्रकाशित होते रहेंगे।

विशेष रूप से, मतदान समाप्त होने के बाद PRO अब मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ECINET ऐप में मतदान डेटा दर्ज करेंगे, जिससे देरी में कमी आएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मतदान समाप्ति के बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत अद्यतन VTR ऐप पर नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध होने की स्थिति में उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध है, वहाँ डेटा ऑफलाइन दर्ज किया जा सकता है और कनेक्टिविटी बहाल होने पर सिंक किया जा सकता है। यह अद्यतन VTR ऐप बिहार चुनावों से पहले ECINET का एक अभिन्न अंग बन जाएगा।

पूर्व में मतदान प्रतिशत डेटा सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैन्युअल रूप से एकत्र किया जाता था और फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटर्निंग अधिकारियों (ROs) को भेजा जाता था। इस जानकारी को हर दो घंटे में संकलित करके VTR ऐप पर अपलोड किया जाता था।

चीन चाहकर भी नहीं रोक सकता ब्रह्मपुत्र नदी का पानी : असम सीएम

गुवाहटी (आरएनएस)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका तो पाकिस्तान ने भी भारत को धमकी दे डाली। पाकिस्तान का कहना था कि चीन भी ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक सकता है, जिससे भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। वहीं अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

पाकिस्तान का मानना है कि भारत चीन से आने वाली ब्रह्मपुत्र नदी के पानी पर निर्भर करता है। हालांकि हिमंत बिस्वा सरमा ने पड़ोसी मुल्क के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

हिमंत बिस्वा सरमा के अनुसार, ब्रह्मपुत्र नदी चीन से सिर्फ 30-35 प्रतिशत पानी लेकर आती है। ब्रह्मपुत्र नदी को यह पानी हिमालयन ग्लेशियर पिघलने और बारिश से मिलता है। वहीं नदी का बाकी 65-70 प्रतिशत पानी भारत में बहने वाली नदियों और बारिश से मिलता है।

कैबिनेट बैठक : नीतीश कुमार ने 47 प्रमुख प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई नौकरियाँ, सीवरेज परियोजनाएँ, विमानन ईंधन पर वैट में कटौती

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, नई सरकारी नौकरियों के उद्घाटन और महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों सहित 47 प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दी। बिहार कैबिनेट ने प्रशासनिक दक्षता और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में 4,858 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी। प्रमुख बुनियादी ढाँचा निर्णयों में, सासाराम, औरंगाबाद और सीवान में सीवरेज नेटवर्क परियोजना स्थापित करने के लिए 1,320 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई।

इसके अलावा, आरा, सीवान और सासाराम शहरों के लिए 328 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना को मंजूरी मिली, जिसका उद्देश्य शहरी उपयोगिता सेवाओं को बढ़ावा देना है। कैबिनेट ने एक नई पुल रखरखाव नीति को भी मंजूरी दी, जो पूरे राज्य में पुलों का नियमित निरीक्षण, सुरक्षा जांच और समय पर मरम्मत सुनिश्चित करेगी। एयर कनेक्टिविटी में सुधार की उम्मीद के तहत, बिहार में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) को 29 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया गया। पटना के दुजरा में ड्राई डॉक बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इस सुविधा का उपयोग विमानों की मरम्मत के लिए किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र में इस तरह की पहली इकाई बन जाएगी।

कोई भी नागरिक भूखा न सोए, यह सरकार का संकल्प : दयालदास बघेल

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने चावल उत्सव का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने बेमेतरा के ग्राम भंसुली में चावल उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है कि कोई भी नागरिक भूखा न सोए। चावल वितरण का यह कार्यक्रम इस संकल्प की दिशा में सशक्त कदम है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जून, जुलाई और अगस्त माह का चावल एक साथ आबंटित किया जा रहा है। नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार एक माह या तीन माह का चावल एक साथ ले सकते हैं। तीन माह का चावल एकमुश्त उठाने की बाध्यता नहीं है। अन्य राशन सामग्रियों जैसे शक्कर, नमक, चना एवं गुड़ का वितरण नागरिक आपूर्ति निगम के उपलब्ध स्टॉक के आधार पर प्रत्येक माह पृथक-पृथक किया जाएगा।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि चावल उत्सव के दिन ही तीन माह के चावल का वितरण सुनिश्चित किया गया है। इस कार्य के लिए परिवहन और सुरक्षित भंडारण की व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर समय-सीमा के भीतर राशन सामग्री के भंडारण और वितरण के बाद सत्यापन की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। जनपद पंचायत की अध्यक्ष हेमा दिवाकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, खाद्य विभाग के अधिकारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में चावल उत्सव में मौजूद थे।

अरब सागर में 08 जून से 11 जून नौसेना का फायरिंग ड्रिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अरब सागर क्षेत्र में एक बड़े नौसैनिक फायरिंग अभ्यास को लेकर NOTAM (Notice to Airmen) जारी किया है। यह अभ्यास 8 जून से 11 जून तक पश्चिमी तट पर मुंबई के समुद्री क्षेत्र में किया जाएगा।

अधिसूचना के अनुसार, यह नौसैनिक अभ्यास 96,000 वर्ग किलोमीटर के व्यापक क्षेत्र में किया जाएगा। जिसकी अधिकतम लंबाई लगभग 600 किलोमीटर होगी। अभ्यास की टाइमिंग 8 जून को सुबह 8:00 बजे से शुरू होकर 11 जून को शाम 7:30 बजे तक चलेगी। नागरिक और वाणिज्यिक जहाजों और विमानों को इस क्षेत्र से बचने की सलाह दी गई है। भारतीय नौसेना के इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्री रणनीतिक तैयारियों को परखना और युद्धक क्षमता को मजबूत करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा नवीन विश्राम गृह, रायपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

प्लास्टिक प्रदूषण-दुष्प्रभाव एवं समाधान विषय पर बनाने होंगे पोस्टर, विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक नगद पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। 05 जून, विश्व पर्यावरण दिवस पर जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 05 जून, 2025 को प्रात: 10:00 बजे से न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। मण्डल द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत इस प्रतियोगिता का विषय ''प्लास्टिक प्रदूषण - दुष्प्रभाव एवं समाधान'' रखा गया है। प्रतियोगिता की समय सीमा 01 घण्टा 30 मिनिट रखी गयी है। पोस्टर प्रतियोगिता चार आयु वर्ग में रखी गई है प्रथम वर्ग 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष एवं चतुर्थ वर्ग दिव्यांगजनों का होगा। प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार चारों आयु वर्ग में पृथक-पृथक दिये जायेंगे। प्रथम पुरस्कार 5000 रुपए , द्वितीय पुरस्कार 3000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 2000 रुपए एवं दो सांत्वना पुरस्कार 500 रुपए दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को अपने आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लानी होंगी। रजिस्टेउशन, प्रतियोगिता स्थल न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर पर किया जायेगा। रजिस्ट्रेशन हेतु प्रतिभागियों को प्रात: 9:30 बजे उपस्थित होना है। प्रतिभागियों को ड्राईंग सीट मंडल द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। शेष सामग्री जैसे कार्ड बोर्ड एवं कलर्स इत्यादि प्रतिभागियों को स्वयं लाना होगा। विजेताओं को दिनांक 05 जून, 2025 को ही नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 04 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

महिला के ईलाज के लिए एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदाय किया गया

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। गरीब व ईलाज कराने में अक्षम के ईलाज हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किए जाने के अंतर्गत नगर के वार्ड क्रमांक 3 इंदिरा कॉलोनी की पीड़ित महिला के इलाज हेतु 100000 रुपए की राशि स्वीकृत की गयी। मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि प्रदाय हेतु कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा की अनुशंसा पर जो पीड़ित व्यक्ति ईलाज करा पानें में सक्षम नहीं है, ऐसे गरीब परिवार को सहयोग प्रदाय करने में कोई कमी नहीं की जाती, इसी के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयास से शानू रंजन पति इब्राहिम रंजन की सड़क दुर्घटना में रीड की हड्डी में तकलीफ एवं बिस्तर से उठ नहीं पाने के कारण इलाज हेतु घर पहुंच कर एक लाख का चेक प्रदाय किया गया, इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा अति संवेदनशील एवं सेवा कार्य के परिचायक भी हैं, कोई भी पीड़ित मरीज या इलाज करने में सक्षम नहीं होने वाले व्यक्ति व परिवार को रायपुर से साधन उपलब्ध करा कर अस्पताल तक ईलाज हेतु लेकर जाने वह अन्य कार्यों में सहयोग प्रदान करने की व्यवस्था भी रखी गई है, घर पहुंच कर वार्ड क्रमांक 3 की पीड़िता को राशि उपलब्ध कराए जाने के दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती रेखा पोषण पटेल, कन्हैया सेन, योगेश अग्रवाल, गुरुदत्त तिवारी सहित अन्य मोहल्ले वासी उपस्थित थे।

जिले में दाई-बबा महोत्सव का आयोजन आज, बुजुर्गों की सेहत का रखा जाएगा विशेष ध्यान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आम जन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु प्रत्येक बुधवार स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाता है। राज्य शासन के निर्देशानुसार 4 जून 2025 को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दाई-बबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि दाई-बबा महोत्सव का उद्देश्य बुजुर्गों का सम्मान एवं स्वास्थ्य संबंधित सभी प्रकार की सेवाओं को प्रदान करते हुए बुजुर्गों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है। आयोजन में मुख्य रूप से बुजुर्गों हेतु समग्र जांच के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड एवं समस्त प्रकार का परामर्श देते हुए युवाओं को बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल करने हेतु भी प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही आयोजन में विभिन्न प्रकार की जांच जैसे शुगर ,बीपी, हड्डी की समस्या, नेत्र से संबंधित बीमारियों की जांच, मानसिक रोग, वृद्धावस्था में पोषण तथा आयुष चिकित्सा संबंधित उपचार, गैर संचारी रोग संबंधित व्यक्तियों का उपचार एवं फॉलोअप भी किया जाएगा।

कुशल शासक अहिल्याबाई बाई होलकर का जीवन वृत्त महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत : गौरी शंकर अग्रवाल

नगर पालिका द्वारा रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती आडिटोरियम में मनाई गई

रानी अहिल्याबाई होलकर सनातन धर्म के लिए सदेव कार्य करती रही है जीवन प्रेरणादायक : अशोक जैन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। स्थानीय ऑडिटोरियम सभा हाल में नगर पालिका परिषद बलौदा बाजार के द्वारा रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्म जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर कार्यक्रम में आयोजित आमंत्रित अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा,पूर्व विधायक सनम जांगड़े, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, जिला अध्यक्ष आनंद यादव नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने रानी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर अपने सारगर्भित उदबोधन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने रानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए धार्मिक विचारधारा की अहिल्याबाई होल्कर ने 1780 में प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर के नवीनीकरण कराने के साथ ही दार्शनिक महारानी की उपाधि से सम्मानित हुई कहते हुए प्रमुख बातों पर प्रकाश डाला व अन्य अतिथि वक्ता पूर्व विधायक व प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा,श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, डा. सनम जांगड़े व भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन वृत पर प्रकाश डालते हुए अपना उदबोधन प्रस्तुत किया, इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने अहिल्याबाई होलकर के 300 में जयंती के आयोजन की महत्वता को दर्शित कर एक कुशल शासन करता बताया,व नारी शक्ति की मिसाल रानी अहिल्याबाई होल्कर ने सनातन धर्म के लिए सदेव कार्य किया है, आयोजन के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, उपाध्यक्ष पवन साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना यादव,उपाध्यक्ष सुमन वर्मा, डॉ अजय राव, योगेश चंद्राकर, टेसूलाल धुरंधर, विपिन बिहारी वर्मा, राकेश तिवारी भाटापारा, सुरेंद्र टिकरिहा, दुर्गा महेश्वर, उपस्थित थे। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी खिरोद्र भोई ने कार्यक्रम के प्रमुख अतिथियों का मंच में पुष्प कुछ भेंट कर अभिनंदन किया, व कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेताओं ने भी मंचस्थ अतिथियों का स्वागत किया। रानी अहिल्याबाई होलकर के 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर नगर पालिका में कार्यरत महिला सफाई कामगारों के रूप में अपना सेवा देने वाले महिलाओं को मंचस्थ अतिथियों के द्वारा स्मृति स्वरूप साड़ी व श्रीफल से सम्मानित किया गया। जिसमें मनी कंचन केंद्र की सुपरवाइजर इंदु साहू, सुभासिनी सेंद्रे, अन्य कर्मचारी गण तिरिथ बाई पटेल, शकुन घृतलहरे, चंदरौतीन साहू,दीपा साहू, रनिया फेकर, पुनियाबाई पांच बाई पाटले, बीना साहू, व सफाई विभाग से जेठिया बाई, रामेश्वरी ध्रुव ,मोनिका नायक, द्रोपती डोंगरे,व सीमा डोंगरे को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार समूह संचालित करने वाली महिला ग्रुप के रूप में मित्रता स्व-सहायता समूह को 2,00000 लाख रुपए का चेक समूह ऋण के रूप में प्रदान किया गया।

कोई स्कूल बंद नहीं हो रहा, बल्कि दो स्कूलों को मर्ज कर एक किया जा रहा : विजय शर्मा

स्कूलों के युक्तियुक्तकरण को लेकर उपमुख्यमंत्री का बयान

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में स्कूलों के युक्तियुक्तकरण को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का बयान सामने आया है. उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि युक्तियुक्तकरण की प्रकिया में कोई स्कूल बंद नहीं हो रहा है. बल्कि दो स्कूलों को मर्ज कर एक किया जा रहा है. जहां शिक्षकों की कमी है, वहां अतिशेष शिक्षक को भेजा जा रहा है. युक्तियुक्तकरण से लाभ है.

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि माओवाद के विद्रूप चेहरे की शुरुआत चीन के बीजिंग से हुई थी, यही आज बस्तर में सक्रिय है. यही माओवादी हमारे आदिवासियों की हत्या करते है. स्थानीय लोगों को ढ्रश्वष्ठ से उड़ा दिया जाता है. इस माओवाद ने गला रेत कर, ढ्रश्वष्ठ बिछाकर लोगों को मारा. आज 3 जून को ही बीजिंग में लोकतंत्र की मांग करने पर 10 हजार लोगों को टैंक से कुचल दिया गया. कार्यक्रम में माओवाद के विद्रूप चेहरे पर चर्चा होगी. शर्मा ने जानकारी दी कि द केरला स्टोरी फिल्म के डायरेक्टर सुदीप्तो सेन भी शामिल होंगे.

तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं द्वारा नक्सलियों से शांति वार्ता के लिए की गई बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो लोग बस्तर के दुख में कभी शामिल नहीं हुए, जिनकी मौजूदगी तब नहीं दिखी जब पूरी की पूरी बस्तियां जलाई गईं, नेताओं और आम लोगों को मारा गया, और जिन्होंने इन गंभीर घटनाओं पर कभी कोई बयान नहीं दिया, अब अगर वही लोग नक्सलियों से वार्ता की बात कर रहे हैं, तो उन पर संशय होना स्वाभाविक है।

पर्यावरण दिवस के पूर्व प्रकृति के प्रति बच्चों का उत्साह, प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

अपनी रचनात्मकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम/विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नगर पालिक निगम द्वारा आज निगम सभागार में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया मेयर श्रीमती अलका बाघमार की मार्गदर्शन में तथा पर्यावरण विभाग प्रभारी कांशीराम कोसरे एवं पर्यटन संस्कृति विभाग प्रभारी हर्षिका जैन की प्रमुख उपस्थिति आयोजित जिसमे बड़ी संख्या में बच्चो ने भाग लिया इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा प्रतियोगिता सभागार में पहुंचकर प्रतिभागी बच्चो का उत्साहवर्धन किया। इससे पूर्व प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचने वाली बच्चो का जल गृह प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन,पर्यटन संस्कृति विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन,विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार पार्षद सरिता विनोद चंद्राकर ने तिलक लगाकर स्वागत किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में तीन वर्ष से पंद्रह वर्ष के कम आयु के बच्चो को शामिल किया गया था जिसमें सुबह 8 बजे से बच्चे अपने अपने अभिभावक के साथ एक-एक कर 68 बच्चे पहुंचने लगे। चित्रकला प्रतियोगिता के लिए निगम द्वारा सभी बच्चों को ड्राइंग सीट उपलब्ध कराया गया था तथा बच्चों को मार्ग दर्शन करने प्रसिद्ध चित्रकार मनीष ताम्रकार ने विशेष योगदान भी दिया ईस अवसर पर एमआईसी सदस्य मनीष साहू पार्षद साजन जोसेफ,मनीष कोठारी,सरस निर्मलकर,पूर्व पार्षद श्रीमती सरोज कोसरे,उद्यान निरीक्षक अनिल सिंह लिलेश्वरी साहू,समाज सेवक रिजु ताम्रकार,आर्टिस्ट मनीष ताम्रकार,सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि बच्चों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाने और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

राजपूत समाज की श्रीमती शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण में राजपूत क्षत्रीय महासभा छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा राजपूत समाज की श्रीमती शालिनी राजपूत को हस्तशिल्प विकास बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ के प्रचार सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि दिनांक 3 जून 2025 को स्थान पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज परिसर, रायपुर में समय दोपहर 12:30 बजे छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह बड़े ही गरिमामययी रूप से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा के अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह की अध्यक्षता एवं छत्तीसगढ़ के मंत्रियों के विशिष्ट अतिथि के रूप में संपन्न हुआ जिसमें राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ रहटादह पंजीयन क्रमांक 1282 के पदाधिकारी उपस्थित होकर नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। राजपूत छतरी महासभा छत्तीसगढ़ के केंद्रीय अध्यक्ष ठाकुर बजरंग सिंह बैंस ने राजपूत समाज से बोर्ड में अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए राज्य शासन का आभार जताया है और समाज के और भी राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों हेतु छत्तीसगढ़ शासन के बोर्ड निगम मंडल आयोग अथवा समिति में राजपूत समाज को और स्थान देने की मांग की गई है। पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में राजपूत समाज से प्रमुख रूप से केंद्रीय अध्यक्ष ठाकुर बजरंग बैंस पूर्व अध्यक्ष ठाकुर होरी सिंह डोड़ उपाध्यक्ष पंकज भुवाल कोषाध्यक्ष नीरज छतरी युवा अध्यक्ष अनुराग सिंह डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह राजेंद्र छतरी, रजनी राजपूत, श्रीमती सरिता बैस, श्रीमती सरला दौड़, राजेंद्र छतरी, ममता राजपूत, संपत् राजपूत महेश्वर राजपूत, गोविंद सिंह, संतोष सिंह , एवं बालोद उप समिति के अध्यक्ष तथा समाज के अन्य गणमानय राजपूत पदभार ग्रहण मे उपस्थित हुए।

वैशानी नगर जोन क्रमांक-02 के विभिन्न वार्डो के कार्यों का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने किया निरीक्षण

भिलाई (विश्व परिवार)। नियमित भ्रमण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन क्र. 02 वैशाली नगर के विभिन्न वार्डो में हो रहे विकास कार्यो का कार्यपालन अभियंता अरविन्द शर्मा, उप अभियंता अर्पित बंजारे के साथ विभिन्न कार्यो का निरीक्षण करने पहुँचे। जिसमें प्रमुख रूप से राम नगर में पानी टंकी का निर्माण कार्य के प्रगति के बारे में चर्चा किये । पानी टंकी का निर्माण समयवाधि के अन्दर हो जाना चाहिए। जिससे इस क्षेत्र के निवासियों को प्रयाप्त मात्रा में पीने का पानी मिल सके। अभी पानी का प्रेशर कम होने से समस्या हो रही है ।गौरव पथ के समीम निर्मित मंगध तेली सामाज द्वारा सार्वजनिक भवन का निर्माण किया गया है। जिसे वहा शादी विवाह, पार्टी के लिये किराये में देता है। प्रारंभिक रूप से देखने में लगा की आबंटित भूखण्ड से अतिरिक्त सार्वजनिक भूखण्ड मे कब्जा कर करके बनाया गया है। कुछ नले की जमीन भी दबा दी गई है। भवन का किराया प्रतिदिन 75000 रूपये के हिसाब से किराये लिया जा रहा है। उक्त प्लाट का सीमांकन करने के लिये भवन अधिकारी को निर्देशित किये।

हाउसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड तालाब का निरीक्षण किया गया। तालाब में नियमित रूप से जल भराव बरसात के पानी से कैसे किया जाये। इसके बार में कार्ययोजना बनाने के लिये, एवं तालाब के चार तरफ वृक्षारोपण करने का भी निर्देशित किये। गौरव पथ पर लगे वाटर एटीएम के कैश मशीन काम नही कर रहा है। उसको ठीक करने के लिये निर्देशित किये। बरसात को देखते हुऐ वार्ड क्र. 29 में नालियों एवं बडे नालों की सफाई की जा रही है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

Be it known to all that Partnership firm M/s Shubh Labh Construction At B-74, Walfort City, Ring Road 1, Bhatagaon, Raipur (C.G.) 492013 has undergone changes as under

1. **Mr. Rishabh Lunawat** S/o Shri Jeetmal Lunawat has retired as a Partner w.e.f. 01/04/2025.
2. **Mr. Khimanshu Chopra** S/o Shri Pankaj Chopra has joined as a Partner w.e.f. 01/04/2025.

PLACE :- RAIPUR
DATE :- 12/05/2025

M/s Shubh Labh Construction
(Mr. Pankaj Kumar Chopra) Partner

नगर निगम के 5 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पांच कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद स-सम्मान पूर्वक बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में आज निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये।

इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने दुर्ग निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा किए। उन्होंने कहा हम विभिन्न विभागो में कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किए। हम सबको गर्व है अपनी क्षमता के अनुसार कार्य किए।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल व सभापति श्याम शर्मा ने जयप्रकाश राजपूत ,सहायक राजस्व निरीक्षक, द्वारिका साहू, भृत्य उद्यान विभाग,रघुवीर यादव,कर्मशाला ?वाहन चालक,चंदूलाल यादव भृत्य जलग्रह विभाग, श्रीमती आसामी बाई सफाई कामगार को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

महापौर श्रीमती बाघमार व आयुक्त श्री अग्रवाल ने उपस्थित कर्मचारियों से कहा कि कभी भी कोई जरूरत हो आप बे झिझक आईयेगा। आपके जो भी देय राशि है उसका भुगतान अभी किया जा रहा है। पेंशन का प्रकरण शीघ्र निराकरण करके आपको पेंशन भी मिलने लगेगा।

उन्होंने कहा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान को सराहा.सेवा में रहे कर्मचारियों ने निगम के लिए हर कठिन परिस्थिति में काम करते हुए कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव में आएगी आमों की बहार

आम की 200 से अधिक किस्मों एवं 56 भोग का प्रदर्शन किया जाएगा

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा राष्ट्रीय आम महोत्सव

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6, 7 एवं 8 जून, 2025 को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में ''फलों के राजा'' आम के राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे। अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया नि:शुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में 6 से 8 जून, 2025 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चौसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फज़ली किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजंहा, लड्डु, गुलाब खास किस्मों के उत्पादक भाग ले सकते हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शामिल किया गया है। इस अवसर पर आम से निर्मित उत्पादों की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रतिभागी आम से निर्मित उत्पाद - नेक्टर/आर.टी.एस., शर्बत, पना, आम के अचार, आम की चटनी, आम पापड़, आमरस, जैम एवं मिठ़ाई आदि व्यंजनों के साथ प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आम महोत्सव में प्रतिभागियों हेतु आम आधारित मॉडल एवं बोनसाई, आम आधरित सजावट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रकृति की ओर सोसायटी की ओर से आम की पांच गुठलियाँ लाने वाले व्यक्तियों को एक उन्नत किस्म के आम का पौधा दिया जाएगा। आयोजन के प्रथम दिवस 6 जून को प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक प्रविष्टियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके पश्चात सामान्यजनों के लिए प्रदर्शनी अवलोकनार्थ तीनों दिन साय: 9 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में आम की विभिन्न किस्मों के फल, आम के विभिन्न उत्पाद एवं आम के पौधे भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 85 दिनांक 02.06.2025
वार्ड का नाम- मां दंतेश्वरी माता वार्ड
वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 16 मांग **पंजी क्र. 39176 युआईडी 21708** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **संध्या तिवारी/ जय शंकर तिवारी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रश्मि मेहता/ प्रतीशा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **02-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21031/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 02-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21031
वार्ड का नाम- 44 - ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR759E0191B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. VALMIKI AGRAWAL, 2. BHAGIRATHI AGRAWAL, 3. JANAK RAJ AGRAWAL, 4. INDRASEN AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. LALIT MOHAN AGRAWAL, LATE. JANAKRAJ AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. कंचन अग्रवाल 2. स्वराज अग्रवाल 3. स्नेहा अग्रवाल तीनो पति/पिता स्व. जनकराज अग्रवाल 4. वाल्मिकी अग्रवाल पिता स्व. ललित मोहन अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय पत्र, बंटवारानामा व अन्य दस्तावेज व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21028/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 02-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21028
वार्ड का नाम- 44 - ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR759E0191A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. VALMIKI AGRAWAL, 2. BHAGIRATHI AGRAWAL, 3. JANAK RAJ AGRAWAL, 4. INDRASEN AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. LALIT MOHAN AGRAWAL, LATE. JANAKRAJ AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **इन्द्रसेन अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. ललित मोहन अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय पत्र, बंटवारानामा व अन्य दस्तावेज व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, बुधवार 04 जून 2025

व्यवसायिक संगठनों के आह्वान पर शहर बंद को मिला अभूतपूर्व समर्थन

मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- जीएसटी विभाग के द्वारा लगातार व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर की जा रही कुठाराघात नीति व अवैधानिक कार्रवाई को लेकर व्यापारिक संगठनों के आह्वान में सूरजपुर नगर बंद को व्यापक समर्थन मिला और स्वफूर्त्त ही नगरवासियों ने अपनी दुकानें बंद कर विरोध प्रदर्शन में भागीदारी निभाई। व्यापार संघ सूरजपुर के साथ छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकामर्स व कैट के पदाधिकारी व कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी,शहरी जनप्रतिनिधि भी बंद को लेकर सुबह से ही सक्रिय थे और प्रतिष्ठानों को बंद करने का आह्वान कर रहे थे। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की मनमानी के कारण व्यापार करना अब मुश्किल हो गया है। शासन के कोष में सर्वाधिक राशि टैक्स के रूप में देने वाला व्यापारी अधिकारियों की कार्यशैली व कार्यप्रणाली से प्रताड़ित है। व्यापारियों से अवैध उगाही कर उन्हें बदनाम किए जाने के साथ जीएसटी टैक्स प्रक्रिया को लेकर भी व्यापारियों ने अपनी भड़ास निकाली। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापारी सुचारू रूप से व्यापार कर शासन को सहयोग करते हैं और व्यापारियों के साथ लगातार नाइंसाफी व अपराधिक व्यवहार हो रहा है। इस दौरान मेन रोड, भैयाथान रोड, मंदिरपारा, नवापारा, मानपुर, चंदरपुर सहित शहर की दुकानें दो बजे तक बंद रहीं और बाद में व्यापारी संघ ने धन्यवाद और आभार ज्ञापित कर दोपहर बाद दुकान खोलने की भी अपील कर सहयोग के लिए साधुवाद दिया। बंद के दौरान विभिन्न व्यवसायिक संगठनों के साथ शहर कांग्रेस कमेटी, किसान कांग्रेस, अग्रवाल सभा, साहू समाज, नगर पालिका के जनप्रतिनिधिगण, राईस मिलर्स, लघु उद्योग, मारवाड़ी युवा मंच सहित अनके संगठनों व स्वायत संस्थाओं ने भी बंद को खुला समर्थन दिया और व्यापारियों के साथ शहर में घूमते भी नजर आये। बंद को लेकर विनोद मित्तल, सुनील अग्रवाल, राजेश तायल, अंकुर गर्ग, नीरज तायल, पवन बंसल, शशांक मिश्रा, शिव बंसल, चाहत मित्तल, रौनक जैन, संजय केजरीवाल, प्रमोद तायल, नितीन गोयल, संजय जिंदल, गोलू बंसल, कान्हा जिंदिया, कल्लू गोयल, मनोज अग्रवाल, मुकेश मित्तल, दिपेश अग्रवाल, नवीन बंसल, आशीष मित्तल, अमित तायल, विनोद अग्रवाल, बाबू बंसल, मुकेश अग्रवाल, वेद प्रकाश जैन, नवीन अग्रवाल, चुन्नू मित्तल, हरिओम अग्रवाल, सन्नी अग्रवाल, सूरज अवस्थी, अनूज अग्रवाल, मुन्ना जिंदिया सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण सक्रिय थे।

साइबर अपराध म्यूल अकाउंट के 7 मामले में 23 आरोपी गिरफ्तार, 98 लाख 72 हजार रूपये से अधिक का संदिग्ध ट्रांजेक्शन का खुलासा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर जिले की पुलिस ने साइबर अपराध म्यूल अकाउंट मामलों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक विभिन्न थानों में पंजीबद्ध 7 मामलों में 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खातों की डिटेल खंगालने पर 98 लाख 72 हजार रूपये से अधिक का ट्रान्जेक्शन की जानकारी सामने आई है।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं बैंक डिटेल के आधार पर खुलासा हुआ है कि साइबर ठगों के द्वारा केरल, हिमान्चल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, ओड़िसा, गुजरात, जम्मू कश्मीर, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, राजस्थान, झारखण्ड, हरियाणा, तेलंगाना, कर्नाटक के विभिन्न जिलों से ठगी की रकम इन आरोपियों के खातों में ट्रांसफर कर आहरण किया गया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले में साइबर अपराध म्यूल अकाउंट के मामले में तेजी से कार्यवाही एवं विवेचना के लिए एक टीम गठित कर लगाया है।

इसी क्रम में थाना विश्रामपुर पुलिस के द्वारा साइबर अपराध म्यूल अकाउंट मामले के जांच में पाया कि खाता धारक जितेन्द्र यादव जिसका एक्सीस बैंक विश्रामपुर में खाता संचालित है उक्त खाता में साइबर ठग के द्वारा जयपुर सिटी राजस्थान, बैंगलोर कर्नाटका से ठगी की रकम 99 हजार 9 सौ 90 रूपये ट्रान्सफर कर रकम आहरित किया है। सायबर फ्रॉड में संलिप्त होते हुए फ्राड के पैसे को खाता धारक के द्वारा कई बार अपने खाते में प्राप्त किया गया। खाता धारक द्वारा आपराधिक षड़यंत्र करना पाए जाने पर दिनांक 1. जून2025 को अपराध क्रमांक 134/25 धारा 317(4), 318(2), 61(2)(ए) बीएनएस के तहत पंजीबद्ध किया गया।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने साइबर अपराध म्यूल अकाउंट के मामले में आरोपी की जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना विश्रामपुर पुलिस ने प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपी जितेन्द्र यादव पिता सुदामा उम्र 39 वर्ष एवं दिवेश कुमार यादव पिता जितेन्द्र उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम सपकरा बरपारा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर खाताधारक जितेन्द्र यादव ने बताया कि एक्सिस बैंक विश्रामपुर में खाता खोलना एवं उसके लड़के दिवेश के द्वारा सायबर फ्राड हेतु अपने साथी को बैंक खाता एवं एटीएम का उसका कोड दिया है। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विश्रामपुर अलरिक लकड़ा, एएसआई अविनाश सिंह व उनकी टीम सक्रिय रही।

सफलता की कहानी : जल जीवन मिशन ने बदली कमार बसाहट कल्लेमेटा की तस्वीर

अब पानी लाने दूर-दूर नहीं जाना पड़ता, घर-घर पहुंच रहा पानी

धमतरी। धमतरी जिले के वनांचल क्षेत्र में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति के कमार परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत अब पीने और निस्तारी के लिए भरपूर पानी मिलने लगा है। जिले के कमार बसाहट कल्लेमेटा में रहने वाले लोगों को पीने की पानी की व्यवस्था के लिए अपने घरों से दूर जंगलां, तालाबों या पोखरों तक जाना पड़ता था। पानी के लिए बहुत दूर तक जाने में लगने वाले शारीरिक श्रम, गर्मी-बरसात-ठंड के मौसम में होने वाली असुविधाओं के साथ-साथ पोखरों-तालाबों-नालों के अशुद्ध पानी के कारण होने वाली बीमारियों से भी लोगों को जुझना पड़ता था।

तकनीकी टीम ने सर्वेक्षण कर गांव के पास एक भूजल स्त्रोत पाया। इस अभियान के तहत कल्लेमेटा में पीने का पानी घर-घर पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड पानी की टंकी का निर्माण किया गया और पूरे गांव में पाईप लाईनें बिछाई गईं। अब प्रत्येक घर में एक नल कनेक्शन है, जिसमें स्वच्छ पेयजल उनके दरवाजे तक पहुंच रहा है। इससे जलजनित बीमारियों की घटनाओं में कमी के कारण ग्रामीणों विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ। कल्लेमेटा के ग्रामीणों की पानी लाने के लिए दूर जंगलों में जाने की मजबूरी अब खत्म हो गई है। इससे उनका शरीरिक श्रम तो बचा ही है, इसके साथ ही आने-जाने में लगने वाले समय को वे अब वनोपज संग्रहण, घर-गृहस्थी संभालने, बच्चों की देखरेख आदि में लगा रहे हैं। कमारों के छोटे बच्चे भी बहुत खुश हैं। अब उन्हें पानी के लिए अपने स्कूलों की कक्षाओं को छोड़ना नहीं पड़ता है। गांव के युवा भी फील्ड टेस्ट किट का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता की निगरानी में शामिल हैं, जिससे स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिल रहा है।

कल्लेमेटा में परियोजना का शुभारंभ ना केवल सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल तक पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था, बल्कि सामुदायिक भागीदारी और स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी किया गया था। इसकी शुरूआत स्थानीय समुदाय को संगठित करने से हुई। ग्रामसभा की बैठकें आयोजित की गईं, जहां ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्रामीणों ने कमार जनजाति के प्रतिनिधियों के साथ एक ग्राम जल और स्वच्छता समिति का गठन किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय आवश्यकताओं और पारंपरिक ज्ञान का पूरा सम्मान किया जाए। समिति ने काम की निगरानी, जल संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने कार्यभार संभाला।

ग्राम पंचायत पचीरा में अवैध निर्माण पर शासन का चाला बुलडोजर

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) -आज ग्राम पंचायत पचीरा में सुशासन तिहार के तहत वर्षों से अतिक्रमण सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार कलेक्टर जिला सूरजपुर की बड़ी कार्रवाई प्लाट नंबर 521, 522,523, भूमि ग्राम पचीरा मुक्तिधाम मंदिर व अन्य शासकीय जमीन पर चला प्रशासन का बुलडोजर कब्जा धारी में मचा हड़कंप वह खेल मैदान प्लाट नंबर 144, 154, 151, यह सब प्लांट कब्जा मुक्त कराया गया जिसमें पुलिस प्रशासन आ राई पटवारी एवं ग्राम वासियों का भारी सहयोग रहा

छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नई अध्यक्ष बनीं श्रीमती शालिनी राजपूत

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दी शुभकामनाएं

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज परिसर में आयोजित छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुईं।

पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, जांजगीर की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, वरिष्ठ विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री गजेन्द्र यादव, श्री आशाराम नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने श्रीमती शालिनी राजपूत को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीमती राजपूत के नेतृत्व में बोर्ड प्रदेश की हस्तशिल्प परंपरा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा और कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के साथ मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभिन्न विभाग स्टालों का अवलोकन भी किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों द्वारा तैयार विभिन्न सामग्रियां अच्छी और शिल्पकारों से चर्चा कर उनके कार्यों की प्रशंसा भी की।

कृषक शिविर में 800 से अधिक किसानों को वैज्ञानिकों से मिली आधुनिक खेती की जानकारी

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार - कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में बहुआयामी कृषक शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक व आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी देना, उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा नई तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा।

यह शिविर दो पालियों में आयोजित किए गए कृ पूर्वाह्न में सूरजपुर, ओड़गी और दुर्गापुर में तथा अपराह्न में रामनगर, बैजनाथपुर और उमेश्वरपुर में।

पूर्वाह्न सत्र के शिविर में प्रात: सत्र में सूरजपुर, ओड़गी और दुर्गापुर में शिविर आयोजित हुए, जिनमें आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में कृषकों ने भाग लिया। सूरजपुर शिविर में मानपुर, गोपलपुर, लांची, बेल्टीकरी, देवीपुर, चंपकनगर सहित 14 ग्रामों के किसान शामिल हुए। ओड़गी शिविर में खर्रा, पालदनौली, चिकनी, बांक आदि 11 ग्रामों से किसान पहुंचे, जबकि दुर्गापुर शिविर में चार ग्रामों के कृषकों ने सहभागिता की।

अपराह्न सत्र के शिविर रामनगर, बैजनाथपुर और उमेश्वरपुर में शिविर आयोजित किए गए। रामनगर शिविर में कुल 14 ग्रामों के कृषकों ने भाग लिया, वहीं बैजनाथपुर शिविर में चार और उमेश्वरपुर शिविर में तीन ग्रामों के किसान उपस्थित रहे।

विभागीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों से मिली जानकारी- शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ कृषि वैज्ञानिक, कृषि सखी, कृषक मित्र और प्रगतिशील किसानों ने जानकारी साझा की। किसानों को मिलेट्स (मोटे अनाज) की खेती, फसल चक्र, प्राकृतिक व जैविक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र, जल संरक्षण, मूल्य संवर्धन, पशुपालन और उद्यानिकी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

उल्लेखनीय है कि सूरजपुर और रामनगर शिविर में वैज्ञानिक डॉ. के. एल. पैकरा ने मार्गदर्शन दिया, जबकि ओड़गी और बैजनाथपुर शिविर में डॉ. योगेन्द्र राठौर ने किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों से अवगत कराया।

इस दौरान शिविरों में कुल 17 किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), 12 केसीसी के माध्यम से ऋण, 16 धान बीज, 55 सॉयल हेल्थ कार्ड, 584 फलदार पौधे और 70 कृमिनाशक व अन्य सामग्री का वितरण किया गया। इन शिविरों में लगभग 800 से अधिक कृषकों ने इन शिविरों का लाभ उठाया। किसानों ने वैज्ञानिकों से अपनी समस्याएं साझा कीं और उनके समाधान पाए। साथ ही उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की दिशा में रुचि भी दिखाई। यह विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ये शिविर न केवल किसानों की जानकारी बढ़ा रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर एवं आधुनिक कृषि के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर प्रिंस प्रसाद जायसवाल को सेवा मुक्त करने का आदेश

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार-राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ शासन के आयुक्त सह मिशन संचालक नया रायपुर ने डॉ प्रिंस जायसवाल को प्रभारी (डीपीएम) जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला सूरजपुर के पद एवं कार्य से सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है।

वीरपुर की अनुराधा बनी प्रेरणा स्त्रोत, स्वयं के व्यय से बनवाया रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती कमलेश नंदनी साहू के कुशल नेतृत्व में जिले में मोर गांव मोर पानी जल संचय सूरजपुर महाअभियान चलाया जा रहा है। जिससे प्रेरणा लेकर जिले के जनपद पंचायत सूरजपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत वीरपुर की निवासी अनुराधा पति विजय के द्वारा स्वप्रेरणा से स्वयं के व्यय पर वर्षाजल संचय के उद्देश्य से रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपने प्रधानमंत्री आवास में बनवाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत जिले में तीव्र गति से आवासों का निर्माण हो रहा है। जिसमें वर्षा जल संचयन के संबंध में जन जागरूकता लाते हुए छतों में हितग्राही के स्वयं के व्यय पर छतों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण कराने हेतु लगातार जन जागरूकता का प्रयास किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु दावा आपत्ती 17 जून तक आमंत्रित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एकीकृत बाल विकास परियोजना सूरजपुर क्षेत्रान्तर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों के आधार पर विकासखण्ड स्तरीय मुल्यांकन समिति द्वारा तैयार अनंतिम (प्रावधिक) चयन सूची सर्व साधारण की सूचना हेतु एतद्द्वारा जारी प्रकाशित की जाती है। इस सूची के विरूद्ध किसी अभ्यर्थी को किसी प्रकार की कोई दावा, आपत्ती हो तो, वे अपना दावा आपत्ती सुसंगत दस्तावेजों के साथ 17 जून 2025 तक कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अपना दावा, आपत्ती प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय अवधि के पश्चात दावा आपत्ति स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। दावा आपत्ति केवल इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्य कार्यालयों में दावा आपत्ति प्रस्तुत करने पर मान्य नहीं होगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दावा आपत्ती में कोई भी ऐसा नवीन दस्तावेज जो पूर्व में आवेदन के साथ जमा नहीं किया गया है, और दावा आपत्ती के दौरान प्रस्तुत करने से मेरिट लिस्ट प्रभावित हो स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। केवल वही दस्तावेज स्वीकार्य किये जायेंगे। जो आपके आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेज को प्रमाणित अथवा स्पष्ट करता हो।

संपादकीय

जाति आधारित राजनीति

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वषर्गांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यपण्राली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की खुली चर्चा होनी चाहिए।

पर्यावरण पुकारे:अब भी समय है!

डॉ. सुनील जैन

हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उसके संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों को प्रेरित करने का एक वैश्विक अवसर है। 2025 में जब हम इस दिवस को मना रहे हैं, तब पर्यावरणीय संकट पहले से कहीं अधिक गंभीर रूप ले चुका है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता की क्षति और संसाधनों का अत्यधिक दोहन मानवता के सामने खड़ी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। यह दिवस हमें न केवल पर्यावरणीय संकटों की याद दिलाता है, बल्कि यह भी प्रेरित करता है कि हम किस प्रकार धरती माता की रक्षा कर सकते हैं। इस वर्ष, विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है: विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। यह प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प है। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। यह अल्पकालिक उपयोग की वस्तुएं नदियों और महासागरों को प्रदूषित करती हैं, हमारी फूड चेन में प्रवेश कर जाती हैं, और माइक्रोप्लास्टिक के रूप में हमारे शरीर में भी जमा हो जाती हैं। 5 जून ङ्क यह दिन हर वर्ष हमें प्रकृति के साथ हमारे संबंध की स्मृति कराता है। यह दिन केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं, बल्कि चेतना का एक विस्तार है ङ्क एक सामूहिक प्रतिज्ञा कि हम अपनी धरती के साथ हिंसा नहीं, सह-अस्तित्व का संबंध रखेंगे। महात्मा गांधी ने कहा था कि पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं। ऋग्वेद में कहा कि पृथ्वी हमारी माता है, हम इसके पुत्र हैं। थॉमस फुलर का कहना है कि-हम तब तक पानी की कीमत नहीं समझते जब तक कुआं सूख न जाए। जैन दर्शन में बताया है कि पर्यावरण की रक्षा करना अहिंसा की सबसे सच्ची साधना है।

वर्तमान पर्यावरणीय परिदृश्य: संकट की आहट

हम जिस विकास की दौड़ में हैं, वह कहीं न कहीं प्रकृति के विनाश से जुड़ी हुई है। उदाहरण स्वरूप वनों की अंधाधुंध कटाई से वर्षा चक्र असंतुलित हो गया है। औद्योगीकरण और वाहन उत्सर्जन ने वायु को विषैला बना दिया है। प्लास्टिक कचरा और केमिकल्स ने नदियों और समुद्रों को दूषित कर दिया है। तेज़ी से हो रहे शहरीकरण ने भूमि उपयोग का संतुलन बिगाड़ दिया है।परिणामस्वरूप ङ्क प्राकृतिक आपदाएँ, जल संकट, तापमान वृद्धि, जैव विविधता का विनाश और महामारी जैसी स्थितियाँ लगातार बढ़ रही हैं।

नदियाँ भी अब बहते-बहते थक गईं,
जंगलों की चीखें भी अब चुप रह गईं।
कृत्रिम विकास की अंधी इस दौड़ में,
हम अपनी जड़ें ही खुद से काट गए हैं कहीं।।

क्या करें हम? समाधान की दिशा में व्यावहारिक पहल : पर्यावरणीय संकट का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि जन-सहयोग से ही संभव है। निम्नलिखित क्रियाएं प्रत्येक व्यक्ति कर सकता है: व्यक्तिगत स्तर पर: घर के आसपास कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसे जीवित रखें।बिजली और पानी की बर्बादी को रोकें। एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक (स्द्धठ्ठद्दद्यद्ग-ह्वह्यद्ग श्चद्यड्डह्यह्लद्बष्) से परहेज़ करें। अपने वाहन का प्रयोग कम करें, कारपूल या सार्वजनिक परिवहन को अपनाएँ। सामाजिक स्तर पर: सामूहिक सफाई अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लें। स्कूलों व समाज में पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रकृति प्रेम की प्रेरणा दें ङ्क उन्हें प्रकृति मित्र बनाएँ। प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के स्तर पर: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैविक ऊर्जा स्त्रोतों का प्रयोग करें।जल पुनर्चक्रण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दें।इको-फ्रेंडली टेक्नोलॉजी में निवेश करें।

भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण संरक्षण : प्राचीन भारतीय ग्रंथों में प्रकृति के साथ गहन जुड़ाव की अवधारणाएँ हैं।भारत की परंपरा में प्रकृति को ईश्वरतुल्य माना गया है। 'वृक्ष देवता' से लेकर 'नदी माँ' तक की अवधारणाएँ यही दर्शाती हैं कि भारतीय जीवनदर्शन में पर्यावरण संरक्षण सदैव एक प्रमुख स्थान पर रहा है। ऋग्वेद, उपनिषद और जैन तथा बौद्ध साहित्य में प्रकृति के प्रति करुणा और सह-अस्तित्व का स्पष्ट वर्णन मिलता है। वेदों में पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश ङ्क इन पंचमहाभूतों की पूजा की जाती है। जैन दर्शन में अहिंसा का विस्तार केवल जीवों तक ही नहीं, पर्यावरण तक है। जैन दर्शन कहता है कि जल, वायु, पृथ्वी और वनस्पति सभी में जीव हैं, इसलिए उनका दुरुपयोग पाप है। संयमित जीवनशैली ही पर्यावरण की रक्षा कर सकती है।

'अहिंसा परमो धर्मः' का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के साथ हिंसा नहीं, सहजीवन आवश्यक है। तीर्थंकरों ने वृक्षों के नीचे ध्यान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जैन मुनि पर्यावरण संरक्षण के जीते-जागते उदाहरण हैं। गौतम बुद्ध ने पेड़ों के नीचे ध्यान करते हुए प्रकृति की पूजा का मार्ग दिखाया। तीर्थंकरों ने परिग्रह परिमाण की अवधारणा द्वारा उपभोग सीमित करने की शिक्षा दी।

धर्म और पर्यावरण ङ्क एक अभिन्न संबंध : भारतीय पूजा-पद्धतियों में तुलसी, पीपल, नीम, गंगा जल आदि का धार्मिक महत्व केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से भी वैज्ञानिक है। जैन मुनियों की 'पदयात्रा', भोजन में चयनशीलता, मौन और अपरिग्रह जैसे नियम ङ्क पर्यावरण के अत्यधिक दोहन से बचाने के उत्कृष्ट उपाय हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की प्रासंगिकता: उजड़े हुए जंगलों को पुनः बसाना। नदियों को स्वच्छ करना। मिट्टी की उर्वरता लौटाना। समुद्री तटों की रक्षा करना। यह सब मिलकर पृथ्वी को एक बार फिर हरित, स्वच्छ और संतुलित बना सकते हैं। प्रेरक तथ्य (2025 के परिप्रेक्ष्य में): संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर वर्ष 10 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो रहा है। विश्व में प्रति मिनट 1 ट्रक प्लास्टिक समुद्र में गिर रहा है। वर्ष 2025 तक 2 अरब लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिलेगा, यदि यही स्थिति रही।

निष्कर्ष : अब नहीं तो कभी नहीं। पृथ्वी हमसे कुछ नहीं माँगती, वह केवल संरक्षण चाहती है। अब समय आ गया है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित करें। प्रगति का अर्थ विनाश नहीं, सतत विकास है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें एक ऐसा ही सतत और संतुलित जीवन जीने का संदेश देता है। पर्यावरण बचाने की शुरुआत हमारे घर की चौखट से होती है। विश्व पर्यावरण दिवस एक स्मरण है ङ्क प्रकृति हमें जीवन देती है, अब हमारा कर्तव्य है कि हम उसे बचाएँ। हम सभी को यह शपथ लेनी होगी कि व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर हम पर्यावरण के रक्षक बनेंगे।

क्योंकि स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि यह एक संकल्प दिवस होना चाहिए। हमें आज ही यह प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि हम पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझेंगे, प्रकृति से मित्रता करेंगे, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर, सुरक्षित और समृद्ध धरती छोड़ेंगे।

धरती है धरोहर, न इसे करो बर्बाद,
संरक्षण में ही है इसका असली संवाद।

आलेख

भारत 4.19 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के साथ विश्व में चौथ नंबर पर

अजय दीक्षित

अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था 4.19 ट्रिलियन डॉलर होगयी है और विश्व में चौथे नंबर की इकोनॉमी है जो जापान के बराबर है।भारत से आगे सभी विकसित देशों में होड़ है । तीसरे स्थान पर जर्मनी है जो भारत से कुछ ही आगे 4.77ट्रिलियन डॉलर, दूसरे स्थान पर चीन 19 ट्रिलियन डॉलर, पहले स्थान पर अमेरिका तीस ट्रिलियन डॉलर है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट कहती है कि भारत ने कृषि, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, हैवी इंडस्ट्री, विशेषकर डिजिटल, बैंकिंग, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र,सड़क परिवहन निर्माण, कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य किया है। अब भारत का आयात और निर्यात लगभग बराबर है। भारत ने सिंचाई परियोजना, बांध, हाइड्रल पावर स्टेशन, रेलवेज, वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी विकसित किया है।नेपाल,भूटान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, कनाडा, श्रीलंका,आदि देश पूरी तरह व्यवसायिक रूप से भारत पर निर्भय है।भारत ने मिसाइल, सेटेलाइट स्टेशनों से संबंधित आय बढ़ाई है।भारत के मेडिकल कॉलेज, विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आगामी तीन साल में जर्मनी से आगे निकल जाएंगे। क्योंकि भारत बहुत बड़ा बाजार है।बड़े बड़े देश भारत में व्यापार करना चाहते हैं। वस्त्र उद्योग में भी भारत ने बहत्तर कार्य किया है। खाद्य तेल और औषधियों के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर है जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है और यह आबादी ही बरदान साबित हुई है।भारत सबसे युवा देशों में शुमार है। अभी जनसंख्या दर 2.1 है। अनुमान है 2050 में जनसंख्या में स्थिरांक आएगा और तब आबादी कम होना शुरू होगी । अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन की जीडीपी लगातार गिर रही है जबकि भारत की जीडीपी लगातार बढ़ रही है।अब अंतरदेशीय पटल पर भारत,चीन, अमेरिका का मौका बाला है। चाइना ने पिछले बीस साल में उल्लेखनीय उन्नति की है। लोहा, सीमेंट, हैवी इंडस्ट्री, एयरोस्पेस, आर्म्स, रक्षा उत्पादों में बहुत आगे है और मध्य एशिया, अफ्रीका, और यूरोपीय देशों में निर्यात करने में माहिर हैं।यहां पर लेबर स्किलनेस बहुत पुरानी है।दरअसल चाइना की सभ्यता भी बहुत पुरानी है। चाइना कभी गुलाम या उप निवेश नहीं रहा ।1949 में यहां क्रांति हुई और माओ के नेतृत्व में सोवियत संघ से प्रेरित होकर साम्यवादी व्यवस्था लागू हुई चाइना की एक मात्र कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना अभी भी सत्ता में है।यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरह चुनाव नहीं होते हैं। जिनपिंग पिछले 20 वर्षों से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के महासचिव भी हैं और देश के राष्ट्रपति भी । चाइना अब रूस से भी आगे निकल चुका है क्योंकि उसने खुली अर्थ व्यवस्था भी समय के साथ अपनाली ।दूसरे बढ़ती जनसंख्या पर भी लगाम लगाई। दंपतियों को एक बच्चा करने की इजाजत थी । चाइना में धर्म समुदाय के नाम पर सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं होते हैं कहने का मतलब है कि चाइना ने ऐसा बतावरण बनाया कि वह तरक्की दर तरक्की करता रहा है। अर्थ व्यवस्था उसकी 19 ट्रिलियन डॉलर की है जो दूसरे स्थान पर है। अंतरिक्ष से जमीन तक सब उपकरण, चाइना में बनते हैं। अमेरिका तो 1768 से लोकतांत्रिक व्यवस्था है। अमेरिका का ढांचा कुछ इस तरह का है कि वह वास्तव में खुली अर्थ व्यवस्था है। विदेश, संचार,रक्षा, और वित्त ही फेडरल सरकार के विषय है और वाकी सब पर स्टेट का अधिकार है। इस लिए उनकी अर्थ व्यवस्था मजबूत है और तीस ट्रिलियन डॉलर के करीब है। यूएसए बहुत अधिक उन्नत शील है।एक तरह से विश्व का नेता है। बहुत बड़ा निर्यातक देश है।उनकी संस्थित नासा, खोजी है। इतना ही नहीं जितने भी मॉर्डन आविष्कार हुए हैं वे अधिकतर अमेरिकन वैज्ञानिकों ने किए हैं।आज यूएसए में बने लड़ाकू विमानों की पूरे विश्व में बहुत मांग है, उसके रक्षा उत्पादों के खरीदारों लाइन लगी है। सऊदी अरब कतर यमन दोहा कुवैत, पोलैंड चेकोस्लोवाकिया ब्रिटेन जापान स्पेन रूस यूक्रेन, इटली फ्रांस जर्मनी सभी देशों में उसके बनाए हजारों उत्पादों का बाजार है। नाटो का नेता अमेरिका ही है।

सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

लालू प्रसाद यादव जी ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी दोनों से बाहर कर दिया है। उनका पूरा स्टैंड उनके अनुसार नैतिक आधार पर है। यानी सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है और उनके बड़े सुपुत्र तेजप्रताप यादव ने इसका उल्लंघन किया है।इसी की सजा उनको दी गई है। निश्चित रूप से परिवार के लिए यह बहुत बड़ा धक्का है। किसी भी पिता और मां का अपने बड़े पुत्र को बाहर करने का निर्णय करना आसान नहीं होता। इस नाते पहली दृष्टि में लालू जी और राबड़ी देवी जी के प्रति सहानुभूति का भाव पैदा होता है। किंतु वे कोई सामान्य परिवार नहीं है। जो कुछ भी हुआ उनमें ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर सार्वजनिक जीवन खासकर राजनीति में होने के कारण उन्हें देना चाहिए। लालूजी का परिवार बिहार में इस समय सबसे ज्यादा अकेले प्रभावी राजनीतिक परिवार माना जा सकता है। यद्यपि वे विपक्ष में है किंतु बिहार में परिवार की दृष्टि से कोई ऐसा नहीं बचा जिनकी हैसियत उतनी बड़ी हो। दो पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, एक पूर्व मंत्री, एक सांसद और तीन विधायक। ऐसे परिवार के सबसे बड़े सुपुत्र की किसी लड़की के साथ लंबे रिश्तों की बात सामने आती है और वह अमर्यादित है तो इस पर बवाल मचेगा। धीरे-धीरे ऐसा माहौल बना है जिसमें दो व्यक्तियों खासकर स्त्री-पुरुष के संबंधों पर लिखने और बोलने से हम आप बचना चाहते हैं। देश में एक अजीब किस्म के वामपंथी लिबरल सेक्युलर इकोसिस्टम ने खासकर स्त्री पुरु ष और उसमें भी विवाहेतर संबंधों को लेकर भी पढ़े-लिखे वर्ग के बीच ऐसा मानस तैयार किया है मानो यह भी उनका निजी मामला ही है। राजद का तर्क है कि लालू जी ने स्वयं स्टैंड ले लिया है तो इसके आगे कुछ कहने के लिए बचता नहीं। किंतु क्या वाकई इसे ही पूर्ण विराम मान लिया जाए? तेज प्रताप यादव के एक्स पर पोस्ट आता है जिसमें वह अनुष्का यादव से 12 वर्ष के अपने रिश्तों और लिव इन में रहने की बात स्वीकार करते हैं। कहते हैं कि अब समय आ गया है जब मैंने सोचा इसे सार्वजनिक कर दिया जाए। बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। उनका बयान आता है कि अकाउंट हैक हो गया था एवं एआई के द्वारा इसे लिखा गया। लालू यादव द्वारा उन्हें पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासन तथा परिवार से अलग करने की घोषणा ने स्पष्ट कर दिया कि पोस्ट की बातें सच हैं। अगर यह सच है कि परिवार को तेज प्रताप के इस अपकर्म की जानकारी नहीं थी और उन्होंने केवल सार्वजनिक जीवन में शुचितापूर्ण आचरण को निर्णय का मानक बनाया है तो उन्हें प्रशंसा का पात्र माना जाना चाहिए। किंतु जितने तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार लाल यादव से लेकर राबड़ी देवी और संपूर्ण परिवार को इस संबंध का पता था। तेज प्रताप की अभी तक कानूनी पत्नी, जिनके साथ उनका तलाक का मामला चल रहा है, कि मां ने कहा है कि इसमें नया कुछ नहीं सबको पता है। वैसे भी अगर 12 वर्ष से संबंध है तो फिर सात वर्ष पहले 2018 में लालू यादव जी और राबड़ी जी ने तेज प्रताप की ऐर्या यादव से शादी क्यों कराई? अभी अचानक तीसरा ऑडियो भी वायरल है। इसमें बताया जा रहा है कि अनुष्का यादव की आवाज है। इसमें वह कह रही है कि निशा सिंह के साथ वो मालदीप जा रहा है। पुरु ष आवाज आती है ,कौन? उत्तर आता है, तेजप्रताप यादव। फिर कहा जाता है कि तेजस्वी यादव ने बच्चे के लिए भेजा है। पुरु ष पूछता है कि उसने कितनी शादी की है यार? उत्तर -ऐर्या यादव ,अनुष्का यादव और निशा यादव। यह सच है तो फिर तेज प्रताप यादव ने पूरे परिवार को संकट में फंसा दिया। मोटा मोटी चार-साढ़े चार महीने बाद बिहार विधानसभा का चुनाव है। यह बात ठीक है कि लालू प्रसाद यादव के लंबे राजनीतिक करियर में कभी इस तरह के प्रश्न नहीं उठे। वे व्यक्तिगत तौर पर भ्रष्टाचार के प्रतीक अवश्य बने पर इस मामले में बेदाग रहे। जो कुछ है उससे वह भी कठघरे में खड़े हैं। आखिर सामाजिक न्याय का अर्थ क्या राजनीति में जातीय समीकरण और आरक्षण ही है? क्या जिस जाति के नेता होने का दावा करते हैं उनकी बच्चियों के साथ भी न्याय सामाजिक न्याय की परिधि में नहीं आता? यह प्रश्न इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि अनुष्का के भाई को राजद की छात्र इकाई का प्रमुख बनाया गया था। इस विषय के सामने आने के बाद उसे हटाया गया। इस घटना का राजनीतिक परिणाम क्या होगा, पूरा घटनाक्रम क्या मोड़ लेगा, तेज प्रताप, अनुष्का, ऐर्या है तो इनका जीवन किस ओर जाएगा इन सबके बारे में कोई भी अनुमान लगाना संभव नहीं। पर यह प्रकरण यूं ही समाप्त नहीं हो सकता। पुत्र के पाप की सजा पिता, माता या परिवार को नहीं मिल सकती। यह तभी होगा जब परिवार बिल्कुल उससे अनिभज्ञ हो। लालू यादव और राबड़ी देवी का दायित्व बनता है कि इन लड़कियों के साथ खड़े हों। हां, अगर इन्होंने षडयंत्रपूर्वक तेज प्रताप को फंसाया है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस बीच दो बार परिवार सत्ता में आया और सब कुछ पारदर्शी था तो इसकी जांच कराई जानी चाहिए थी। संभव है ऐसा हुआ भी हो। इन लड़कियों के साथ खड़े होने की जगह परिवार ने तेजप्रताप को इनसे अलग करने और राजनीतिक आंच से बचने के लिए ही सारे प्रयास किए। केवल लालू जी की जाति ही नहीं दूसरों को भी पूछना चाहिए कि आखिर सामाजिक न्याय के नाम पर इस तरह उनके परिवार में क्यों हुआ? हमने हरियाणा में भजनलाल के पुत्र चंद्रमोहन के विवाहेत्तर प्रेम कथा में राजनीतिक करियर समाप्त होते देखा है। उनका उप मुख्यमंत्री पद तक प्रेम के कारण चला गया और बाद में पता चला कि उन्होंने अनुराधा बाली नामक वकील से शादी करने के लिए इस्लाम ग्रहण किया। आज वह कहां है बहुत कम लोगों को मालूम है। तेजप्रताप उस अवस्था को प्राप्त होंगे या उनके साथ कुछ और होगा यह भविष्य के गर्भ में है।

प्रदेश के निचले क्षेत्रों में खेती की समस्याएं

कुलभूषण उपमन्यु

अधिकांश योजनाएं लोगों की जानकारी तक ही नहीं पहुंच पाती हैं, या उनमें बजट ही इतना कम होता है कि वे दिखावटी से आगे नहीं बढ़ पाती। जैसे कि सोलर बाड़बंदी न बंदर से फसलें बचा पाई है न अन्य जानवरों से। योजना का फैलाव भी एक प्रतिशत खेतों तक भी नहीं हो पाया है। इसलिए योजनाएं ऐसी हों जो जमीन पर दिख सकें। जैसे बागबानी का काम ठंडे क्षत्रों में दिखता है, निचले क्षेत्रों के लिए बागबानी की भी ऐसी फसलें खोजी जानी चाहिए जो वहां सफल हों... हिमाचल प्रदेश के 4000 फुट से कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि कई समस्याओं से ग्रस्त है। वैसे तो देश भर में ही खेती में लाभ कम हो गया है, किन्तु पहाड़ी क्षेत्रों में कम ऊंचाई वाले इलाकों में खेती सबसे ज्यादा समस्याग्रस्त हो गई है। लगातार लाभ कम होते जाने के चलते लोगों का खेती से मोहभंग होता जा रहा है, जिसके लिए कुछ न कुछ सुधारात्मक उपाय करना समय की जरूरत बन चुकी है, वरना खेती व्यवसाय की बर्बादी रोकना कठिन हो जाएगी। मुख्य समस्या तो लाभ कम होते जाने की है, किन्तु इसके बहुत से कारण हैं जिन पर पार पाने का काम करना होगा। हिमाचल के इस हिस्से में जोतें बहुत ही छोटी हो गई हैं। अधिकांश जोतें 5 बीघे से कम हैं, कुछ तो 1-2 बीघे से भी कम रह गई हैं, इसलिए इनमें जब साल भर की रोजी-रोटी पूरी नहीं होती है तो बहुत से लोग किसी दूसरे व्यवसाय के लिए हाथ पैर मारने लगते हैं और खेत खाली पड़े रहते हैं। केवल 25 फीसदी भूमि ही सिंचित है। बारिश समय पर न होने के चलते भी खेत खाली छोडने पड़ते हैं। प्रदेश में चकबंदी की संभावना कम होने के चलते जमीनें छोटे छोटे टुकड़ों में बंट चुकी हैं, जिस कारण दस जगह बाड़ बंदी, दस जगह पानी लगाना और अन्य कृषि कार्यों में समय की बर्बादी के साथ सुरक्षा भी संभव नहीं होती है। इन निचले इलाकों में कोई विशिष्ट फसल भी नहीं है जो केवल इन्हीं इलाकों में होती हो, ताकि प्रतिस्पर्धा कम हो और लाभकारी आय प्राप्त की जा सके। ज्यादा ऊंचे ठंडे क्षेत्रों में सेब आदि फल और बेमौसमी सब्जियों के उत्पादन से अच्छी आय हो जाती है। निचले क्षेत्रों में आम, लीची आदि फलों को पूरे मध्य भारत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है जो छोटी जोतों और पहाड़ी इलाका होने के कारण ज्यादा मेहनत के चलते संभव ही नहीं हो पाता है। मानव-वन्यप्राणी संघर्ष के कारण फसलों को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बनती जा रही है। बन्दर, सूअर,

नीलगाय, इतना नुकसान पहुंचा रहे हैं कि बहुत से इलाकों में इसी कारण लोग खेती छोडने पर बाध्य हो गए हैं। पशुपालन से मुंह मोड़ रहे कुछ लोग अपने पशुओं को बेसहारा छोडने लगे हैं। सडकें तक इनसे भर गई हैं। इनकी उजाड़ से खेती बचाना टेढ़ी खीर हो चुकी है। हालत यह है कि मर्ज बढ़ता ही गया ज्यों ज्यों दवा की। पॉवर टिलर को सब्सिडी देकर प्रोत्साहित करने से पहाड़ी किसान भी बैल पालना छोड़ चुके हैं, जबकि वह आत्मनिर्भर तरीका था, और मुकाबिल तौर पर सस्ता भी था, जिससे खाद की समस्या भी हल होती थी। इससे कुल मिला कर खेती के लाभ को कम करने में ही मदद मिली है। सुधरे बीजों की जगह हाइब्रिड बीजों का चलन बढ़ता जा रहा है। अपने बीज खत्म हो गए हैं। हाईब्रिड बीज हर साल नए खरीदने पड़ते हैं और बहुत ही महंगे हैं। हाईब्रिड धान का बीज 380 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। बीज के लिए कंपनियों की गुलामी बहुत खतरनाक है। इससे भी खेती की लागत बढ़ रही है। खेती में जैव विविधता का भी घास-मारक दवाइयों के चलते ह्रास हुआ है। ये दवाईयां ऐसी हैं कि जिस फसल के लिए बनी हैं उसके अलावा अन्य हर वनस्पति को मार देती हैं। इससे फसल सुरक्षा जाल कमजोर हुआ है। जैसे मक्की में उड़द या श्री धान्य आदि लगाते थे, गेहूं के साथ चने, मसूर और सरसों लगा लेते थे। एक फसल कम हो जाए तो दूसरी उसकी कमी को पूरा कर देती थी। मिट्टी के उपजाऊ पन को भी लाभ होता था। इन परंपरागत अनुभव आधारित तरीकों को छोड़ कर दवाइयों और रासायनिक खादों पर निर्भरता के बढने के चलते खेती की लागत और बढ़ गई है, और लाभ कम हो गया है। 1970 के मुकाबले खेती से आय 19 गुणा बढ़ी है और मजदूरी, और अन्य कर्मचारी वेतन सौ से डेढ़ सौ गुणा बढ़े हैं। इस कारण सामाजिक प्रतिस्पर्धा में किसान पिटता गया है, जिससे किसानी से मोहभंग होता जा रहा है। 75 प्रतिशत जमीनें तो वर्षा आधारित हैं, किन्तु उनमें भी वही गेहूं और मक्की की एकल खेती हो रही है, क्योंकि हमारी खानपान की आदतें भी धान और गेहूं के ही ऊपर निर्भर हो गई हैं। श्री धान्य कोदा, रामदाना, अस्वांक, भरेस, बाजरा, कौणी आदि कम पानी में होने वाली और ज्यादा पौष्टिक फसलें हैं। इनके प्रसार और खाद्य श्रृंखला में इनको महत्व देने से वर्षा आधारित खेती निश्चय ही लाभान्वित हो सकती है। वन्यप्राणियों और बेसहारा पशुओं से फसलों को बचाने के लिए सरकारों को बड़े पैमाने पर सरकारी खर्चे से योजना बनानी चाहिए। यदि सामूहिक स्तर पर बाड़बंदी की जाए तो इस नुकसान से किसान बच सकता है। छुटपुट योजना से लाभ नहीं हो सकता। जो समर्थवान किसान है वही सब्सिडी आधारित योजनाओं का लाभ ले सकता है।

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

पीपला ने किया मृत बंदर का अन्तिम संस्कार

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने मृत बंदर का विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। फाऊंडेशन के सदस्य रमेश देवांगन ने बताया यह बंदर किसी वाहन के चपेट में आने के कारण गंभीर चोटिल हो चुका था।जिसे बजरंग बली के वार दिवस पर अंतिम संस्कार किया गया। ज्ञात हो कि पीपला फाउंडेशन सदस्य रमेश अब तक अनेकों बंदरों का अन्तिम संस्कार कर चुके हैं। वही अंतिम संस्कार में फाउंडेशन से रमेश देवांगन,संजय मेश्राम,चुमेश्वर देवांगन,डगेश्वर साहू शामिल हुए।

रायपुर निगम द्वारा दुकानें सील करने पर कपड़ा मार्केट एसोसिएशन ने जताया विरोध

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडरी कपड़ा मार्केट में रायपुर नगर निगम द्वारा ट्रैफिक का हवाला देते हुए दूकानों को सील किए जाने की कार्रवाई का रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन एवं थोक कपड़ा व्यापारी संघ ने विरोध किया। एसोसिएशन ने बताया कि मैन रोड पंडरी की दुकानों को ट्रैफिक समस्या का हवाला देकर सील कर दिया गया है जबकि उनका नियमितीकरण पूर्व में हो चुका है, इसके विरोध में मार्केट में दुकानें बंद कर दी गई है। समस्या के समाधान के लिए चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद तलरेजा थोक कपड़ा मार्केट के अध्यक्ष सरल मोदी चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, राजेश वासवानी विनय बजाज एवं चंदर विधानी प्रकाश अग्रवाल पृथ्वीपाल सिंह छाबड़ा कारण मदनानी मनीष दरीरा राहुल गोलछा रितेश वैद्य तरुण बजाज नरेंद्र पारेख अमर ज़ाम्बिया आदि ने रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा से मुलाकात कर चर्चा की। जिसके पश्चात अगले दिन सुबह 11 बजे नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक तय की गई जिसके पश्चात विरोध जताते हुए बंद की गई दुकानों को खोलने का निर्णय लिया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई का विरोध जताते हुए चेम्बर अध्यक्ष ने कहा कि पंडरी कपड़ा मार्केट में नगर निगम द्वारा दूकानों को सील किए जाने की कार्रवाई अत्यंत निंदनीय है, लंबे समय से व्यापारी साथी वहां व्यापार कर रहे हैं अब अचानक इस प्रकार की कार्रवाई होने से उनके व्यापार पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स पूरी ताकत के साथ व्यापारी साथियों के साथ खड़ा है।

पंचकल्याणक महोत्सव की दिव्यता ने भोपाल की धरा को अध्यात्म से सराबोर कर दिया

सुख-दुख में समता, यही है जीवन का स्थायी जश्न, मुनिश्री मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज के दिव्य प्रवचनों से जनमानस हुआ भावविभोर

भोपाल (विश्व परिवार)। पंचकल्याणक महोत्सव की दिव्यता ने आज भोपाल की धरा को अध्यात्म से सराबोर कर दिया। प्रभु के जन्मकल्याणक के शुभ अवसर पर जब मुनिश्री प्रमाणसागर जी ने व्यासपीठ से अपनी वाणी का अमृत वर्षा किया, तो उपस्थित जनसमूह भावों की वर्षा में भीग उठा। जन्मोत्सव की अभिव्यक्ति करते हुए मुनिश्री ने कहा, भगवान का जन्म सामान्य नहीं होता-वह स्वयं के लिए नहीं, अपितु समस्त सृष्टि के कल्याण के लिए होता है। यह केवल एक जन्म नहीं, जन्मकल्याणक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामान्य व्यक्ति का जन्म उसके परिवार में होता है, परंतु भगवान के जन्म पर तीनों लोकों में मंगल की लहर दौड़ती है।

जन्म में जश्न, जीवन में जश्न, मृत्यु में जश्न और अंततः आत्मा के उदय पर जश्न ही जश्न! अपने प्रेरक संदेश में मुनिश्री ने श्रोताओं को झकझोरते हुए कहा- जन्म तो सबका होता है, पर जीवन उत्सव बने यह प्रयास आवश्यक है। मौज-मस्ती, नाच-गान केवल कुछ पलों की बहलाव है। जीवन का स्थायी जश्न तो अंतर्मन के ठहराव में है।

उन्होंने चार सूत्रों का मंत्र देते हुए कहा कि बहलाव नहीं, भटकाव नहीं-बदलाव लाओ, ठहराव पाओ।

इस अवसर पर मुनिश्री ने राजा भोज और आपदा-संपदा कथा, सुख-दुख में समता की भावना, और व्यापारियों के दैनिक उतार-चढ़ावों के उदाहरण देकर जीवन में स्थिरता और समत्व की महत्ता को रेखांकित किया।

मुनिश्री ने कहा, जिन्हें तत्वज्ञान का बोध होता है, वे हानि-लाभ, मान-अपमान, संयोग-वियोग-किसी में भी विचलित नहीं होते। वे जानते हैं, यह सब कर्मजन्य संयोग हैं। जो धर्म को 'जीते' हैं, उनके जीवन का हर क्षण जश्न बन जाता है।

एक प्रेरक कथा सुनाते हुए मुनिश्री ने उस मंत्री का उदाहरण दिया जिसे सूली की सज़ा मिली और उसी दिन वह जश्न मना रहा था। जब कारण पूछा गया, तो उसने कहा-फांसी का क्षण बाद में आएगा, अभी तो जीने का क्षण है-और मैं नाचते हुए जीना चाहता हूँ। इस अद्भुत दृष्टिकोण ने राजा को भी बदल दिया।

महापौर मालती राय ने किया गुरुकुलम में दर्शन और गुरुचरण वंदना

भोपाल की प्रथम नागरिक, महापौर श्रीमती मालती राय जी ने इस पावन अवसर पर मंच साझा किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि मैं नेता नहीं, सेवक हूँ-और यह मेरा सौभाग्य है कि मैं गुरुचरणों में बार-बार आने का अवसर पाती हूँ। गुरुदेव की अमृतवाणी से पूरे भोपाल का वातावरण पावन हो रहा है। यदि चातुर्मास भोपाल में हो गया, तो मेरा जीवन कृतार्थ हो जाएगा।

उनके वक्तव्य में गहरी श्रद्धा, आत्मबोध और समाज सेवा की प्रेरणा स्पष्ट झलक रही थी।

भावना योग प्रशिक्षण शिविर 7 से 12 जून तक- मुनिश्री ने समापन में सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे 7 जून से 12 जून तक आयोजित भावना योग प्रशिक्षक शिविर में भाग लें। जो स्वयं के भावों को साधना चाहते हैं, और समाज को सकारात्मक दिशा देना चाहते हैं-वे इस अभियान से जुड़ें।

वेदी निर्माण का सौभाग्य- संजय जैन परिवार ने भावना से प्रेरित होकर वेदी निर्माण का संकल्प लिया। मुनिश्री ने उनके समर्पण को सराहा और सभी को मंगल भाव से जुड़ने का आह्वान किया।

समापन संदेश- ऐसा जीवन जियो कि तुम्हारी मृत्यु भी महोत्सव बन जाए। हर क्षण में आनंद हो, हर साँस में उत्सव हो-यही जीवन का सार है। -**अविनाश जैन**

अहिंसा शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों के प्रचार प्रसार के लिए वियतनाम रवाना हुआ 51 सदस्यीय दल

जयपुर (विश्व परिवार)। मानव एवं समाज सेवा के लिए समर्पित जैन सोशल ग्रुप वीनस जयपुर अपने 51 सदस्यों के साथ भगवान महावीर के जयकारों के साथ वियतनाम विदेश भ्रमण यात्रा के लिए रवाना हुआ।

ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ने बताया कि जेएसजीआइएफ उपाध्यक्ष एवं यात्रा दल के मुख्य समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल के नेतृत्व में एसी बस द्वारा रवाना हुआ यह दल वियतनाम के विभिन्न शहरों में अहिंसा, शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार प्रसार करेगा। दल को जेएसजीआइएफ नार्दन रीजन चैयरमैन राजीव पाटनी एवं फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन एवं कई समाजश्रेष्ठीजनों ने जयकारों के बीच महावीर नगर जैन मंदिर पर जैन ध्वज दिखाकर दल को रवाना किया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शैलेन्द्र शाह, अध्यक्ष महेंद्र जैन, यात्रा संयोजक राजीव एवं सुनील सेठी ने बताया इस यात्रा का मुख्य संदेश जियो और जीने दो एवं अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार रहेगा। इस मौके पर रीजन के पूर्व चेयरमैन प्रदीप जैन चेयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, सचिव रविन्द्र बिलाला, उपाध्यक्ष सुधीर गंगवाल, डॉ राजीव जैन, सह सचिव मनीष सोनी, पीआरओ सुनील पहाड़िया, समाजसेवी प्रमोद पहाड़िया, विनोद जैन कोटखावदा, दर्शन बाकलीवाल, अरुण काला (मटरू), सुनील चौधरी, मीना चौधरी, नवीन जैन और नितिन जैन ने अपना आर्शीवाद देकर रवाना किया। ग्रुप अध्यक्ष महेन्द्र जैन ने बताया कि यात्रा दल दिल्ली से वियतनाम हवाई जहाज द्वारा जाएगा तथा 11 जून को वापस जयपुर लौटेगा।

अपने विचारों और कार्यों को सकारात्मक दिशा में लगाओ : मुनिश्री सर्वार्थसागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के परम शिष्य विचित्र बाते प्रणेता श्रमण मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज ने कहा कि विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का 2025 का चातुर्मास गणाचार्य विरागसागर महाराज जी कि जन्मभूमी पाथरीया में होनेवाला है।

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के परम शिष्य विचित्र बाते प्रणेता श्रमण मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज ने अवगत कराया कि पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ससंघ सानिध्य में भोपाल में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव शुरु हैं।

विचित्र बाते प्रणेता श्रमण मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज ने कहा किजीवन में सफलता और खुशी पाने के लिए सबसे जरूरी है- समर्पण, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास। हमें अपनी ताकत पहचाननी चाहिए और हर कठिनाई को अवसर समझना चाहिए। जब हम अपने लक्ष्य की ओर पूरे दिल से काम करते हैं, तो रास्ते की हर मुश्किल हमें और भी मजबूत बना देती है। याद रखो, वह इंसान कभी हार नहीं सकता, जो हार मानने का नाम नहीं लेता। हर दिन का एक नया मौका है, अपने सपनों को साकार करने का। खुद पर विश्वास रखो, अपने विचारों और कार्यों को सकारात्मक दिशा में लगाओ, और हर दिन एक छोटे कदम से भी अपने लक्ष्य के करीब पहुंचो। सिर्फ सोचने से नहीं, बल्कि करने से ही कुछ बदलता है।

-अभिषेक अशोक पाटील

नारियल खेड़ा पंचकल्याणक महोत्सव में तप कल्याण की आराधना, कुछ सुरक्षित रख पाओ या ना रख पाओ परिणाम हमेशा सुरक्षित रखना

परिणामो की विशुद्धि भविष्य में निश्चित रूप से सिद्धि बनती है : पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। नारियल खेड़ा जैन मंदिर में पाषाण से भगवान बनने के अनुष्ठान में आज तप कल्याणक की आराधना हुई पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में सुबह भगवान जिनेंद्र का अभिषेक और विशेष पूजा अर्चना के साथ अनुष्ठान हुए महोत्सव के मीडिया प्रभारी अंशुल जैन ने बताया अनुष्ठान के दौरान संपूर्ण जिनालय केसरिया रंग में रंगा हुआ है आयोजन स्थल पर प्रतीकात्मक अयोध्या नगरी की रचना की गई जिसमें तप कल्याणक की आराधना के साथ जिन प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा में तप की क्रिया के साथ आचार्य श्री के मुखारविंद से दीक्षा की क्रियाएं दी गई नमस्तु नमोस्तु नमोस्तु के स्वरों से संपूर्ण आयोजन स्थल गुंजायमान हो रहा है जहां एक और युवराज आदि कुमार की बारात में उत्साह और खुशी का माहौल दिखा वही दीक्षा की क्रियाएं देखकर सभी की आंखें नम थी प्रतिष्ठाचार्य राजेश राज और अविनाश भैया के निर्देशन में अनुष्ठान संपन्न हुए इस दौरान देश-विदेश के श्रावकों ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिया महोत्सव समिति के शरद जैन और सुकेश जैन ने बताया 5 जून को पाषाण से भगवान बनने के अनुष्ठान का समापन भी नगर फेरी के साथ होगा प्रतिदिन पंचकल्याणक की क्रियो के साथ महा आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहा है आचार्य महाराज ने कहा परिणाम बदल लो पुरुषार्थ बदल जाएगा परिणाम अच्छे होंगे तो भविष्य की पर्याय भी निश्चित रूप से उज्जवल और श्रेष्ठ होगी कुछ संभाल पाव या ना संभाल पाओ वर्तमान की पर्याय में वर्तमान के परिणामों को संभाल लो तो कल्याण निश्चित है परिणाम की विशुदीभविष्य में सिद्धि बनती है उन्होंने कहा संपूर्ण लोक में सत्य के अन्वेषण पर विचार चल रहा है पर सत्य को खोजने की आंख बाहर की नहीं अंदर की है जीना हमारा धर्म है, , पर विवेक पूर्वक, इस अवसर पर. पंचकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष संतोष कुंदन पार्षद देवेंद्र भार्गव अजय ज्योतिष पंकज इंजिनियर सुरेश जैन आई ए एस डॉ जितेंद्र जैन डॉ जखारिया विजय जैन अयोध्या नगर नरेंद्र वदना सुकेश जैन आलोक जैन अरविंद जैन मुकेश जैन विनोद जैन आर एन जी तेज कुमार जैन मनोज जैन एडवोकेट संतोष जैन विनोद जैन सुरेश जैन रितेश जैन गोल्ड सहित अनेक धर्म लंबी मौजूद थे।

-अंशुल जैन

कालोनियो में मूलभूत सुविधा पूर्ण होने पर ही प्रमाणपत्र जारी करने महापौर ने दिए निर्देश

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। कई कालोनाईजर द्वारा कालोनी में पूर्ण विकास किए बिना एवं बिना मूलभूत सुविधा बिजली,पानी, रोड, नाली बनाए एवं भूखण्ड केता से किए गये अनुबंध के शर्तो को पूर्ण किये बिना कालोनी विकास पूर्णता प्राप्त कर लिया जाता है, जिससे कालोनीवासी को परेशानी होती है। जिसे ध्यान में रखकर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने निगम के तीनो कार्यपालन अभियंताओ को अपने अपने प्रभारित वार्ड में निर्मित कालोनियो में बाहय एवं आंतरिक विकास कार्य तथा बिजली, पानी, रोड, नाली की सुविधा होने के पश्चात ही पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कालोनी में सम्पूर्ण विकास कार्य किये बिना कालोनी का हैण्डओवर नहीं करने के सक्त निर्देश दिए है। महापौर श्री यादव ने तकनीकि अधिकारियो से कहा है कि अवैध कालोनी के मामले में किसी भी प्लाटिंग पर भवन अनुज्ञा जारी नही किया जाए।

मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत रेवाडीह में निर्मित आवासों से अवैध कब्जा हटाया गया

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना में मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत रेवाडीह मे बहुमंजिला आवास का निर्माण किया गया है, जहॉ शहर के चिन्हांकित झुग्गी क्षेत्रों में निवारत परिवारों को लाटरी के माध्यम से आवास आबंटित किया गया है। जिसमें कुछ लोगों के द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया था, जिसे आज निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर आवास योजना के नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे के नेतृत्व में शासकीय अमलों की उपस्थिति में अवैध कब्जाधरियों से कब्जा किये 14 आवासों को रिक्त कराने की कार्यवाही की गयी। इस संबंध में जिलाधीश महोदय डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे भी समीक्षा बैठक के दौरान अतिक्रमित आवासो को रिक्त कराने के निर्देश दिये थे।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव निकाय क्षेत्र की चिन्हांकित झुग्गी बस्तियों में निवासरत परिवारों जिन्हें शहर को झुग्गी मुक्त करने एवं शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिये व्यवस्थापन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत निर्मित आवासों में पात्र हितग्राहियो को लाटरी के माध्यम से आवास का आबंटन किया जाता है। नगर निगम द्वारा निगम सीमाक्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमद परिवारों को नियमतः आवास आबंटित किया गया था। उक्त आवासों में कुछ लोगों के द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया था, जिसके कारण पात्र हितग्राही आवास में नहीं रह पा रहे थे। जिन्हें आयुक्त श्री विश्वकर्मा के निर्देश पर नगर निगम द्वारा बार बार समझाईस देकर कब्जा खाली करने नोटिस भी दिया गया था। गत सूचना एवं नोटिस देने पर भी बलात कब्जाधारियों के द्वारा आवास रिक्त नहीं किया गया।

रेवाडीह में निर्मित आवास में अवैध कब्जाधारियों द्वारा आवास रिक्त नहीं करने पर आज आयुक्त श्री विश्वकर्मा के निर्देश पर निगम का अतिक्रमण तोडू दस्ता के प्रभारी अधिकारी व सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम उप अभियंता श्री डागेश्वर कर्ष व श्री तिलकराज ध्रुव, समयपाल श्री चिराग मेश्राम, प्र.पटवारी श्री मिलिन्द रेड्डी व श्री गणेश झा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना की पूरी टीम पुलिस बल महिला व पुरूष के साथ साथ विभागीय अमला रेवाडीह में निर्मित 340 युनिट के एक एक घरों में दस्तावेंज की जॉच कर 14 आवासो मे निवासरत अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशों का पालन करते हुए जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने स्पष्ट कहा कि राजस्व कार्यालयों में कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। त्रुटि सुधार के मामलों में अधिकारी स्वयं संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने सीमांकन एवं पात्र खसरे के बटांकन जैसे प्रकरणों को शीघ्रता से निपटाने तथा भू-अर्जन, भू-आवंटन मामलों में जल्द आवेदन बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पंचायत एवं आरसीसी (राजस्व न्यायालय) से संबंधित मामलों में पेशी की संख्या बढ़ाने एवं आवेदकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों में आम जनता को शीघ्र राहत मिले, यह शासन की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान राठौर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएसटी समस्याओं को लेकर जीएसटी कमिश्नर मीणा से मिले चेम्बर पदाधिकारी

चेम्बर ने जीएसटी से संबंधित व्यापारियों की समस्याओं को लेकर 11 बिन्दुओं का ज्ञापन सौंपा और की चर्चा, जीएसटी कमिश्नर ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 03-06-2025 छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के साथ चेम्बर के प्रतिनिधि मंडल ने जीएसटी कार्यालय, नया रायपुर में जीएसटी कमिश्नर श्री पुष्पेंद्र मीणा जी से मुलाकात कर त्रस्ञ से संबंधित व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा किया तथा मुख्य 11 बिंदुओं का ज्ञापन सौंपा तथा जिसमें विभिन्न मुद्दे शामिल थे जैसे त्रस्ञ के आदेश स्र्हृद्व्य के द्वारा व्यापारियों तक पहुंचते हैं चूंकि स्थानीय व्यापारी लंबे समय तक स्र्हृद्व्य चेक नहीं कर पाते इसलिए अक्सर उन्हें आदेश देखने में देर हो जाती है और अपील का समय निकल जाता है।

इसे लेकर चेम्बर को आश्वासन दिया गया कि आगे से पोस्ट के द्वारा हार्ड कॉपी भी भेजी जाएगी जिससे यह समस्या न हो। इसके साथ ही चेम्बर ने कहा कि त्रस्ञ के अंतर्गत सर्वे या रेड आदि की कार्रवाई होती है तो अधिकारी व्यापारी पर अत्यधिक दबाव बनाते हुए दहशत का माहौल बना देते हैं जिससे व्यापारियों को बहुत समस्या होती है।

इसपर चेम्बर को आश्वासन मिला कि अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे वे दहशत का माहौल न बनाएं और सही धारा का प्रयोग कर कार्यवाही करें।इसके अलावा चेम्बर ने कहा कि अक्सर छोटी-छोटी त्रुटियों के कारण धारा 129 के अंतर्गत 200 प्रतिशत की पैनल्टी लगा दी जाती है जबकि वर्ष 2018 में यह सर्कुलर आ चुका है कि छोटी-छोटी त्रुटियों के लिए सिर्फ़ 1 हजार रुपए की पैनल्टी लगाई जानी चाहिए।

इसपर जीएसटी कमिश्नर ने अधिकारियों को आदेश दिया कि त्रुटियों पर कार्रवाई करें लेकिन इस प्रकार की छोटी-छोटी त्रुटियों के कारण 200 प्रतिशत की पैनल्टी न लगाए बल्कि 1 हजार रुपए की पैनल्टी लगाएं। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर चेम्बर के प्रतिनिधि मंडल और जीएसटी के अधिकारियों के बीच चर्चा हुई।

इस दौरान जीएसटी कमिश्नर श्री पुष्पेंद्र मीणा जी के साथ श्री टीएल ध्रुव जी (स्पेशल कमिश्नर), श्री दीपक गिरी जी (ज्वाइंट कमिश्नर ब्ल्ड्ड), श्री नरेंद्र वर्मा जी (ज्वाइंट कमिश्नर इंफोर्समेंट), श्री नूरेंद्र पटेल जी (डिप्टी कमिश्नर इंफोर्समेंट) भी उपस्थित रहे तथा छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स से चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के साथ चेम्बर के वाइस चेयर मैन श्री चेतन तारवानी जी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राधा कृष्ण सुंदरानी जी, श्री राजेश वासवानी जी, श्री विनय बजाज जी, श्री जसप्रीत सिंह सलूजा जी, कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरडिया जी तथा श्री दयाल राजपाल जी एवं दिलीप इसरानी जी उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, बुधवार 04 जून 2025

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप का एयरपोर्ट में किया गया आत्मीय स्वागत

जगदलपुर (विश्व परिवार)। स्थानीय मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप अपने एक दिवसीय संक्षिप्त बस्तर प्रवास में जगदलपुर आगमन पर जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान विधायक चित्रकोट श्रीविनायक गोयल भी साथ रहे। अतिथियों का स्वागत बस्तर सांसद महेश कश्यप,महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ ही एडीजी नक्सल ऑप. श्री विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, बस्तर आईजी श्री सुंदरराज पी., एसपी श्री शलभ कुमार सिन्हा, प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया।

घर से सोने-चांदी के जेवर पार करने वाला चोर पकड़ाया

दुर्ग। जिले की थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने सोने चांदी की चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा आरोपी से चोरी का सामान जब्त कर उसे ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती भावना तिवारी पति अनुराग तिवारी उम्र 40 वर्ष निवासी दीनदयाल उपाध्याय नगर हाउसिंग बोर्ड कालोनी उमदा दिनांक 28.03.25 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसके पति अनुराग तिवारी, सास माया देवी पारिवारिक कार्यक्रम में बनारस गये थे घर में वह दिनांक 26.03.25 को अपने छोटे बच्चे के साथ रात्रि में कमरे में अकेली सोई थी। इसी दौरान रात्रि में कोई अज्ञात चोर छत के उपर से कमरे के अंदर घुसकर आलमारी के लॉकर में रखे सोने चांदी के आभूषण तथा बगल कमरे में रखे आलमारी व आलमारी का लॉक तोड़कर सोने चांदी के आभूषण सोने की दो नग अंगुठी, सोने की चौन, सोने का लाकेट 01 नग, सोने के नाक की खिल 07 नग, चांदी का पायल 8 जोड़ी, चांदी की बिछिया 11 जोड़ी, चांदी का टिफिन 01 नग, चांदी का गिलास 01 नग, चांदी का कटोरी 01 नग, चांदी की चुड़ी 04 जोड़ी, चांदी का सिक्का 40 नग, पीतल का सिक्का, पीतल का कुबेर यंत्र 02 नग, कान की सोने की तीन नग बाली, एक सोने की बिंदी, एक सोने का चैन,नगदी 5000 रूपये चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये उक्त आरोपी के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही करने हेतु थाना पेट्रोलिंग व एसीसीयू की टीम को निर्देशित किया गया था। विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया व अलग से मुखबिर भी लगाए गए। विवेचना के दौरान संदेही मोहन सागर पिता स्व होरीलाल सागर उम्र 26 वर्ष निवासी पीएम आवास उमदा को अभिरक्षा में लेकर गवाहों के समक्ष पूछताछ कर मेगोरण्डम कथन लिया गया।

ट्रेड एक्सपो यूएसए धोखाधड़ी कांड: आरोपी राजाराम तारक गिरफ्तार, 1.43 करोड़ की ठगी का खुलासा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ट्रेड एक्सपो यूएसए कंपनी के नाम पर निवेशकों से करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी राजाराम तारक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी पर अकेले लगभग 1 करोड़ 43 लाख रुपये की ठगी का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की है।

अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार- इस बहुचर्चित घोटाले में अब तक 07 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की शुरुआत 19 दिसंबर 2024 को हुई थी, जब संतोष देवांगन ने राजिम थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि राजाराम तारक, अरूण द्विवेदी, शरदचंद्र वर्मा, कमलेश साहू और यशवंत नाग ने अधिक लाभांश देने का लालच देकर उनसे पैसे की ठगी की।

झारखंड और छत्तीसगढ़ में फैला नेटवर्क

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि इस ठगी के सरगना अरूण द्विवेदी के खिलाफ

झारखंड में भी सीआईडी रांची में केस दर्ज है। अब तक की जांच के अनुसार, छत्तीसगढ़ के 94 निवेशकों से ?5.53 करोड़ और झारखंड के 11 निवेशकों से ?4.66 करोड़ की धोखाधड़ी की गई है। कुल राशि ?10.20 करोड़ के पार पहुंच चुकी है।

फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल- आरोपियों ने निवेशकों को कम समय में दोगुना रिटर्न देने का झांसा देकर उन्हें फर्जी प्लेटफॉर्म से जोड़ा। खाते ट्रेड डॉलर में दिखाए जाते थे, जो फर्जी बैंक अकाउंट से लिंक थे। कोई भी निवेशक अपनी मूल राशि या ब्याज नहीं निकाल सका, जिससे घोटाले का भंडाफोड़ हुआ।

राजाराम तारक का बड़ा खुलासा- फरार चल रहा आरोपी राजाराम तारक, निवासी ग्राम तामासिवनी, हाल मुकाम कोकड़ी रोड गरियाबंद, ने 28 मई 2025 को न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। पूछताछ में उसने ठगी की राशि से 60 लाख रुपये अपने ससुराल के मकान पर खर्च करना, 25 लाख रुपये पुराने कर्ज चुकाना, तथा 28 लाख रुपये की गिरवी जमीन छुड़ाना कबूला।

जब्त सामग्री

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित सामग्री जब्त की:

ब्रेजा कार (क्रमांक ष्टत्त 04 क्क 1536) - कीमत 14 लाख

दो iPhone – कीमत ?4 लाख

सोने की अंगूठी व चेन - कीमत ?2 लाख

नकद राशि - 10,200

IDBI बैंक डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड

आरोपी के बैंक खाते में ?8 लाख होल्ड किए गए हैं।

अवैध संपत्ति पर होगी अलग कार्रवाई

राजाराम तारक द्वारा अपराध से अर्जित संपत्ति पर धारा 107 B.N.S.S. के तहत पृथक से कार्रवाई की जा रही है।

योग: स्वस्थ जीवन की कुंजी – गरियाबंद में योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गरियाबंद (विश्व परिवार)योग हमारे जीवन में मानसिक व शारीरिक संतुलन बनाए रखने का प्रभावशाली माध्यम है। इसी उद्देश्य से गरियाबंद के कलेक्ट्रेट परिसर में विगत कई वर्षों से नियमित रूप से योगा कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इस वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर नगरवासियों को योग के प्रति और अधिक जागरूक करने हेतु एक गोष्ठी तथा साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में वक्ताओं ने योग के महत्व को विस्तार से समझाया और जनमानस से योग को अपने जीवन में नियमित रूप से अपनाने की अपील की। योग दिवस को मानवता को भारत की ओर से दिया गया एक अनमोल उपहार बताया गया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य साबित होगा।

योग विशेषज्ञों ने रखे विचार- योगा टीम के आचार्य धर्मेंद्र साहू ने कहा कि

अगर आपने अब तक योग को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाया है तो अब भी देर नहीं हुई है। योग न केवल मानसिक और शारीरिक संतुलन का साधन है बल्कि यह हमें जीवन की नई ऊर्जा प्रदान करता है।

हरीश भाई ठक्कर ने योगासन के लाभ बताते हुए कहा कि ॐसूर्य नमस्कार और वृक्षासन जैसे अभ्यास शरीर की समन्वय क्षमता और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक हैं। वहीं, प्राणायाम मानसिक तनाव कम कर जीवन को संतुलन में लाता है।

योगा ग्रुप के तरुण यादव ने कहा कि हमारी अधिकतर बीमारियों की जड़ हमारे अशांत मन में छिपी होती है। योग के अभ्यास से न केवल मानसिक शांति प्राप्त होती है, बल्कि शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह संपूर्ण रोगों की रामबाण औषधि है।

योग को सुरक्षित ढंग से अपनाने की सलाह

भावेश सिन्हा ने योग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि गलत मुद्रा में योग करने से मांसपेशियों में खिंचाव आ सकता है। इसीलिए शुरुआत में किसी प्रशिक्षित योगाचार्य की देखरेख में योग करना उचित होता है।

सभी नागरिकों से सहभागिता की अपील

विकास पारख जी ने कहा कि ॐयोग अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। शरीर के बाहरी रख-रखाव के साथ-साथ आंतरिक स्वास्थ्य के लिए योग बेहद जरूरी है। मैं सभी नागरिकों से 21 जून को योग दिवस पर भाग लेने की अपील करता हूँ।

इस योग गोष्ठी में जिले के अनेक गणमान्य नागरिकों और अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें एल.पी. महतो, हेमलाल साहू, विजय सिन्हा, रिखी राम साहू, युगल किशोर शर्मा, दुलेश साहू, प्रदीप सिन्हा, राजीव निर्मलकर, केशराम ध्रुव और पुनेश्वर साहू प्रमुख रूप से शामिल थे।

सट्टा खाईवाल समेत म्युल एकाउंट खाताधारक एवं खाता खरीदने वाले पकड़ाये

दुर्ग। जिले की थाना वैशाली नगर पुलिस को मुख्य सट्टा खाईवाल सहित 08 म्युल एकाउण्ट खाता धारको एवं खाता खरीदने वाले को पकड़ने में सफलता मिली है। मामले में पुलिस ने कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर परमाल सिंह सिंगोदिया पिता रगुवीर सिंह सिंगोदिया उम्र 40 वर्ष साकिन कैनरा बैंक वैशाली नगर ने थाने में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी को ज्ञात हुआ कि शाखा में लगभग 111 खते है जिसमे कुल अधिकतम खातों में साईबर फ्रॉड एवं अन्य फ्रॉड की रकम आई है जिसे खातों में डेबिट मेमो लगा है जिसमें लगभग 22,05,173.53 रूप्ये होल्ड लगा हुआ है इन खातो में साईबर फ्रॉड एवं अन्य फ्रॉड के पैसे कई बार जमा हुये है तथा अपराधिक षड़यंत्र कर साईबर फ्रोड तथा अन्य फ्रॉड कर अवैध धन अर्जित किया गया है। प्रार्थी केकेनरा बैंक के म्पुल खाता धारको के विरूद्ध कार्यवाही करने की रिपोर्ट पर थाना वैशाली नगर में धारा 317 (2), 317(4), 318(4), 61 (2), (ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। खाता क0-120032845684 के धारक उमा शर्मा का पत्ता तलाश के दौरान अपने सकुनत पर उपस्थित मिली जिसे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपने मेमोरण्डम कथन में बतायी कि एवनी ब्रेसिंग ब्युटी पार्लर के नाम से आरोपिया का शॉप है आरोपिया द्वारा केनरा बैंक में दिनांक 03.01.2025 को करंट अकांउट खुलवाया था जिसमें अपनी गुमास्ता, अबारकार्ड, पेनकार्ड, उद्यम रजिस्ट्रेशन सर्टिफिक्रेट देकर अपना खाता खुलवायी थी जिसमे आरोपिया ने 700 रूप्ये जमा करवायी थी तथा अपने मोवाईल नंबर 9407697546, 8103394531 में इंटरनेट बैंकिग चालु करवायी थी। आरोपिया के खाते में फरवरी माह में 5 करोड़ के आसपास आया था जो विल्ली ट्रांसफर हुआ है। जिसमे पूर्व में उमा शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है दौरान विवेचना पाया गया की मोनू और उसके साथियों द्वारा म्यूल अकाउंट खुलवाकर देहरादून में सट्टे का कम कर रहे की सूचना पर टीम रवाना किया गया जहाँ मकान नो 6 गली नो 4 द्रोण बाटिका में मोनू अपने साथियों के रुकने की सूचना पर रेड कारवाही की गई जो मोनू के साथी मकान बदलने और फरार होना पाया गया मकान में नीतीश कुमार निवासी विहार मिला जिससे पूछताछ किया जो दीपक कुमार विहार के साथ सट्टे की खाईवाली करना बताया तथा मोनू और अन्य छत्तीसगढ़ भिलाई के लोगो से 20 हजार रुपए में बैंक खाते खरीदा और क्रिकेट सट्टे में उपयोग किया आरोपी नीतीश से निखिल का पासबुक के अलावा कुल 3 लेपटॉप,3 मोबाईल फोन, एक गाड़ी 9 एटीएम,8 पासबुक तथा 2 चेक बुक जप्त कर ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया है। कुल 111 खाता धारको में से 11 को गिरफ्तार किया गया है तथा खाता खरीदने वाले नीतीश कुमार पिता कंचन कुमार उम्र 32 वर्ष पता जिला नालंदा थाना राजगीर बिहार को भी गिरफ्तार कर मेमोरण्डम कवन लेते हुये आरोपी नितिश कुमार से एक वाहन आर-01 एच.एच 9046, 03 लैपटाप एवं 03 नग मोबाईल जप्त किया गया। अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना वैशाली नगर पुलिस की सहरानीय भूमिका रही।

मामले में पुलिस ने

01- नीतीश कुमार उम्र 32 वर्ष पता जिला नालंदा थाना राजगीर बिहार

02 ओमप्रकाश केशवानी उम्र 63 वर्ष पता मे 667 वैशालीनगर

03 पी जय कुमार उम्र 30 वर्ष पता कैंप 1 स्टील नगर वार्ड 29 राम मंदिर के पास थाना वैशाली नगर

04- नीतेश प्रताप सिंह उम्र 27 वर्ष पता कैंप 1 नेहरू चौक थाना छावनी

05 - मनमीत सिंह उम्र 25 वर्ष पता क, ट्रैक्टर क, लोनी स्पर्श ह, स्पिटल के पीछे थाना सुपेला

06- बी मोहन उम्र 20 वर्षा पता कैंप 1 स्टील नगर 18 नंबर रोड थाना वैशाली नगर

07 गोपाल निर्मलकर उम्ज्24 वर्ष पता शीतला मंदिर के पास इंदिरा नगर सुपेला थाना सुपेला

08- सचिन खोबरागड़े उम्र 43 वर्ष पता अंबेडकर नगर भवन के पास थाना वैशाली नगर

09- गगनदीप सिंह उम्र 20 वर्ष पता दब 42 स्ट्रीट 02 वैशाली नगर थाना वैशाली नगर

जगदलपुर में बस्तर शान्ति समिति के तत्वावधान में हुआ माओवाद के विद्रुप चेहरा बीजिंग से बस्तर तक विचार गोष्ठी का आयोजन

बस्तर के नौजवान अपने प्रयासों से खत्म करेंगे माओवादी विचार-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

माओवादियों का समूल नाश अवश्यंभावी और समूचे बस्तर में होगी शान्ति, समृद्धि एवं खुशहाली- वन मंत्री श्री केदार कश्यप

जगदलपुर/ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर के नौजवान अपने प्रयासों से माओवादी विचार को खत्म कर देंगे। बस्तर के नौजवान विकास की बात करेगा और सुरक्षा बल के जवान अपने कर्तव्य के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आज के युवाओं के मध्य में संचार साधनों का अधिक उपयोग किया जाता है इस सोशल मीडिया पर बस्तर की सकारात्मक माहौल की बात जरूर की जाए। बस्तर का विकास, बस्तर के मॉडल से होगी और बस्तर के हिसाब से होगी। बस्तर का जल, जंगल, जमीन बस्तर के निवासियों, युवाओं का है। शासन शांति के लिए हर संभव कार्य कर रही है अभी जो सुरक्षा बल कैंप है ओ भविष्य में लघु वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन केंद्र के रूप में विकसित की जाएगी। उन्होंने पूर्व में नक्सलियों द्वारा किए गए घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नक्सलियों ने कई निर्दोष आम जनता और सुरक्षा बल के जवानों की हत्या की है। नक्सलियों के विद्रूप चरित्र को उजागर करना होगा। भारत के विचारधारा में माओवाद का कोई जगह नहीं है। माओवाद गतिविधियों से क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को क्षति पहुंची, आम नागरिकों या निविदाकारों से पैसे की उगाही की गई, आम आदमी की नृशंस हत्या की

गई। इसलिए बस्तर में अब नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए। बस्तर के नक्सल हिंसा से प्रभावितों ने दिल्ली में जाकर राष्ट्रपति, केंद्रीय गृहमंत्री को अपनी व्यथा बताई साथ ही जंतर मंतर, जेएनयू कैम्पस में नक्सलवाद के खिलाफ नारे लगाए। आज नक्सल हिंसा पीड़ित अपनी बात बड़े-बड़े जगह में रख रहे हैं। साथ ही नक्सलियों को मुख्य धारा में जुड़ने और शासन की पुनर्वास नीति के तहत लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मंगलवार को जगदलपुर के पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार में बस्तर शान्ति समिति के तत्वावधान में आयोजित माओवाद के विद्रुप चेहरा बीजिंग से बस्तर तक विचार गोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे।

इस मौके पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि हम बस्तरवासी पिछले चार दशक से माओवाद के दंश को सह रहे हैं और माओवादी समस्या के कारण समग्र विकास में पिछड़े हुए हैं लेकिन अब आम जनता इन माओवादियों से मुक्त होने के लिए जागरूक हो चुकी है तथा विकास की मुख्यधारा में जुड़ने के फलस्वरूप एक बड़ा बदलाव परिलक्षित हो रही है। बस्तर के लोग सुख-शान्ति एवं खुशहाली की ओर अग्रसर होने के लिए उत्सुक हैं। इसे ध्यान रखकर केन्द्र एवं राज्य सरकार आगामी मार्च 2026 तक माओवाद समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए संकल्प लेकर कटिबद्धता से पहल कर रही है। जिससे माओवादियों का समूल नाश अवश्यंभावी है और समूचे बस्तर में शान्ति, समृद्धि एवं खुशहाली आएगी तथा बस्तर की वादियों में फिर से ढोल-मांदर की थाप सुनाई देगी।

गोष्ठी में बस्तर आईजी श्री सुंदरराज पी. ने कहा कि एक समय वनों से आच्छादित बस्तर क्षेत्र में 1980 के दशक से नक्सल गतिविधि बढ़ी, जिससे क्षेत्र में विकास में बाधा बनी। अब बस्तर की धरा में आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के आशीर्वाद से क्षेत्र में सुरक्षा बलों के प्रयासों से जरूर शांति होगी। विचार गोष्ठी में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन, बस्तर शांति समिति के सदस्य श्री दशरथ कश्यप, पूर्व विधायक श्री राजा राम तोड़ेम और बस्तर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री मनीष गुप्ता ने बस्तर में नक्सल गतिविधियों के कारण बस्तर के स्वरूप में हुए परिवर्तन पर अपना वक्तव्य रखे। गोष्ठी में चीन में 3-4 जून 1989 की रात तियानमेन चौक में लोकतंत्र की मांग करने और माओवाद समस्या पर केंद्रित वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में गृहमंत्री और वनमंत्री ने युवाओं से संवाद भी किया। साथ ही इस दौरान कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, एसपी श्री शलभ सिन्हा और जिला प्रशासन के अधिकारी, बस्तर अंचल के विभिन्न समाज प्रमुख, समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, पत्रकारगण और बड़ी संख्या में युवाओं के साथ गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ज्ञात हो कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को आदर्श मानकर नक्सली (माओवादी) बस्तर में जल, जंगल, जमीन की बात करते हैं। उसी चीन में 3-4 जून 1989 की रात तियानमेन चौक में लोकतंत्र की मांग करने वाले 10 हजार छात्रों को टैंक से कुचल दिया गया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर, बुधवार 04 जून 2025

व्यापार समाचार

जेईई एडवांस्ड 2025 में अनअकैडमी के छात्रों की शानदार सफलता

नईदिल्ली। देश की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक, जेईई एडवांस्ड 2025 का परिणाम आ चुका है, और इस बार अनअकैडमी ने सफलता की एक नई कहानी लिखी है। इस साल अनअकैडमी के 4129 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल की है, जो यह साबित करता है कि सही गाइडेंस, मेहनत और तकनीक के साथ कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। इस मौके पर अनअकैडमी के को-फाउंडर सुमित जैन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा: हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में हमारे छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। हम उज्जवल केसरी सहित सभी छात्रों को दिल से बधाई देते हैं। यह सिर्फछात्रों की मेहनत का नहीं, बल्कि हमारे सभी शिक्षकों और पूरी टीम के दिन-रात के प्रयासों का नतीजा है। हम आगे भी इसी जुनून और समर्पण के साथ छात्रों की मदद करते रहेंगे, ताकि वे अपने सपनों को हकीकत बना सकें। 18 छात्र टॉप 100, 787 छात्र टॉप 5000, और 2205 छात्र टॉप 15000 रैंक में आए हैं। यह संख्या सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हज़ारों सपनों के पूरे होने की कहानी है। अनअकैडमी अपने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ मजबूत सपोर्ट सिस्टम भी देता है। यहां छात्रों को डिजिटल क्लासरूम, 1:1 डाउट सॉल्विंग, एक्सपर्ट काउंसलिंग और पर्सनल गाइडेंस जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जो उन्हें बेहतर ढंग से तैयारी करने में मदद करती हैं। जेईई या नीट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अनअकैडमी सेंटर ने एक अनोखी पहल की है — 'श्योर सक्सेस प्रोग्राम'। इस पहल के तहत अगर तय शर्तों के बाद भी नीट में 500 से कम या जेईई में 93 परसेंटाइल से कम स्कोर आता है, तो छात्रों को कोर्स फीस का 50त्न वापस मिलेगा।

जयप्रदीप वासुदेवन बने काइनेटिक ग्रीन के 2-व्हीलर बिजनेस के प्रेसिडेंट, कंपनी ने अगले चरण की तरक्की के लिए लीडरशिप को मजबूत किया

पुणे: काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड, भारत में इलेक्ट्रिक टू और थ्री-व्हीलर्स बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी, ने श्री जयप्रदीप वासुदेवन को अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिजनेस का प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। श्री जयप्रदीप को ऑटोमोबाइल उद्योग में 25 से अधिक वर्षों का शानदार अनुभव है। वे इस इंडस्ट्री में रणनीतिक नेतृत्व, व्यवसाय विकास, संगठन विकास और वाणिज्यिक संचालन में अपनी विशेषज्ञता लेकर आयेंगे, जो विभिन्न ऑटोमोटिव ओईएम और भूमिकाओं में फैली हुई है। श्री जयप्रदीप इंडस्ट्री में के नाम से मशहूर हैं और वे काइनेटिक ग्रीन में ऐसे महत्वपूर्ण समय में शामिल हो रहे हैं, जब कंपनी अपने टू-व्हीलर बिजनेस को और बढ़ाने के लिए तैयार है। वे आगामी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स, जिसमें इस साल के अंत में लॉन्च होने वाला तकनीक से लैस हाई-पावर इलेक्ट्रिक स्कूटर भी शामिल है, को बाजार में लाने की रणनीति का नेतृत्व करेंगे। साथ ही काइनेटिक ग्रीन के ई-लूना और अन्य मौजूदा टू व्हीलर प्रोडक्ट्स की बिक्री को बढ़ाएंगे। श्री जयप्रदीप उर्फ जेपी देश भर में ब्रांड की उपस्थिति और ग्राहक अनुभव को और बेहतर करने के लिए काइनेटिक ग्रीन के डीलरशिप नेटवर्क को मजबूत करने का काम करेंगे। टीम में उनका स्वागत करते हुए, काइनेटिक ग्रीन की फाउंडर और सीईओ, सुश्री सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा: हम अपने सफर के इस महत्वपूर्ण बदलाव के समय जेपी को काइनेटिक ग्रीन में शामिल करके बहुत खुश हैं। जैसे-जैसे हम अपनी नेतृत्व टीम को मजबूत कर रहे हैं, उनका व्यापक अनुभव, उद्योग की गहरी समझ, ग्राहक-केंद्रित सोच और सटीक कार्यान्वयन बहुत कीमती होगा। जेपी के नेतृत्व में हमारे टू-व्हीलर बिजनेस के साथ, हम अपने उत्पादों की ताकत और प्रभाव को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमें भरोसा है कि हम भारत के निजी इलेक्ट्रिक क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरेंगे। इस नई भूमिका के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए, श्री जयप्रदीप ने कहा, मैं काइनेटिक ग्रीन में शामिल होकर और इसके इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिजनेस का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। काइनेटिक ग्रीन ब्रांड की शानदार विरासत है और यह आज भी भारत के आम लोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक समाधानों की विविध रेंज के जरिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। मैं ग्राहकों की जरूरतों पर ध्यान देकर, बेहतर वितरण चैनलों और ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के जरिए कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ, साथ ही नेट-जीरो भारत के लक्ष्य में सकारात्मक योगदान देने के लिए भी तत्पर हूं। जेपी ने रॉयल एनफील्ड में 15 साल काम किया, जहाँ उन्होंने इंडिया बिजनेस हेड के रूप में कंपनी के विकास को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने देशभर में नेटवर्क का विस्तार किया और नए रिटेल तरीकों को शुरू किया, जिससे बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई और बाजार में हिस्सेदारी भी बढ़ी। इससे पहले, उन्होंने हिंदुस्तान मोटर्स और टीएएफई में नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाईं, जिससे ऑटोमोटिव क्षेत्र में उनकी मजबूत नींव बनी। हाल ही में, जेपी ने रैपटी, एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल स्टार्टअप, में चीफबिजनेस ऑफिसर के रूप में काम किया, जहाँ उन्होंने अपने रणनीतिक प्रयासों से ब्रांड को टू-व्हीलर सेगमेंट में अपनी खास जगह बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। काइनेटिक ग्रीन में, जेपी श्री रितेश मंत्री (को-फाउंडर और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर) के साथ मिलकर काम करेंगे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेन्डर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट लॉन्च किए

बैंगलोर: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेंडर को नए नियो ड्राइव अवतार/ग्रेड में पेश करने की घोषणा की। 48 -वोल्ट के उन्नत सिस्टम से युक्त, नए नियो ड्राइव वेरिएंट ईंधन की खपत के लिहाज से बेहतर हैं, ड्राइविंग प्रदर्शन अच्छा है और अधिक आराम प्रदान करते हैं - शहरी परिस्थितियों और ऑफ-रोड स्थितियों में अधिक परिष्कृत अनुभव प्रदान करते हैं। 2009 में बाजार में पेश किये जाने के बाद से, टोयोटा फॉर्च्यूनर ने प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में मानक स्थापित किया है। इसे अपनी बोल्ड डिज़ाइन, जबरदस्त प्रदर्शन और बेजोड़ ऑल-टेरेन क्षमता के लिए जाना जाता है। बाद के कुछ वर्षों में, इस एसयूवी ने शहरी रोमांच के शौकीनों से लेकर ऑफ-रोड उत्साहियों के बीच, एक मजबूत और निष्ठावान अनुसरण तैयार किया है। अपने स्टाइलिश और फीचर-वाले समकक्ष, लेजेंडर के साथ, फॉर्च्यूनर टोयोटा के मुख्य मूल्यों जैसे गुणवत्ता, स्थायित्व, विश्वसनीयता और ग्राहक-केंद्रित नवाचार पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है। फॉरच्यूनर और लीजेंडर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट की पेशकश पर बोलते हुए, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के उपाध्यक्ष, श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, जैसे-जैसे भारत में एसयूवी बाजार लगातार बढ़ रहा है, ग्राहक उन्नत सुविधाओं और अलग-अलग स्टाइल की मांग कर रहे हैं, फॉरच्यूनर और लीजेंडर दोनों अपने बोल्ड डिजाइन, शक्तिशाली प्रदर्शन और व्यापक सुविधाओं के साथ इन अपेक्षाओं को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जो विविध उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को सहजता से पूरा करते हैं। नियो ड्राइव 48वी ग्रेड की शुरूआत हमारी यात्रा में एक और मील का पत्थर है। सेगमेंट के पहले के रूप में यह ग्राहकों की बदलती जीवनशैली के साथ तालमेल बैठाने वाली, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही कार्बन तटस्थता के प्रति टोयोटा के बहु-मार्ग दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है। व्यावहारिक, भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता समाधानों के माध्यम से, हम ग्राहक मूल्य को बढ़ाने और अधिक टिकाऊ कल के लिए सार्थक रूप से योगदान करने का प्रयास करते हैं। नई 48वी तकनीक - बेहतर ईंधन अर्थव्यवस्था और कम उत्सर्जन प्रदान करने के उद्देश्य से, नियो ड्राइव वेरिएंट टोयोटा के शक्तिशाली 2.8-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीज़ल इंजन से युक्त हैं, जिन्हें अब 48-वोल्ट सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जिसमें बेल्ट-एकीकृत स्टार्टर जनरेटर और लिथियम-आयन बैटरी है। यह हाइब्रिड असिस्ट कम गति पर अधिक सुगम त्वरण, शांत संचालन और बेहतर दक्षता प्रदान करता है। हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम की एक विशेषता के रूप में, गति कम होने के समय बैटरी को चार्ज किया जाता है, जिससे ब्रेकिंग ऊर्जा को कुशलतापूर्वक पुन: प्राप्त किया जाता है जो अन्यथा खो जाती है, साथ ही अतिरिक्त ब्रेकिंग प्रदर्शन भी जुड़ता है। नया स्मार्ट आइडल स्टार्ट-स्टॉप फ़ंक्शन ईंधन दक्षता में और सुधार करता है तथा स्थिर होने पर इंजन को बंद करके उत्सर्जन को कम करता है।

वेदांतु के छात्र दक्ष ने कर्नाटक में पहला स्थान हासिल किया और जेईई एडवांस्ड 2025 में एआईआर 15 हासिल किया

नईदिल्ली। जेईई परीक्षा की तैयारी करवाने वाला भारत का अग्रणी शिक्षा संस्थान वेदांतु, जेईई एडवांस्ड 2025 में अपने छात्रों के असाधारण प्रदर्शन की गर्व से घोषणा करता है। साल दर साल शीर्ष रैंक और लगातार समान नतीजों के साथ, यह साल उच्च गुणवत्ता, व्यक्तिगत और परिणाम-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने में वेदांतु की निरंतर सफलता की पुष्टि करता है। उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वालों में बैंगलोर के दक्ष तायलिया भी शामिल हैं, जिन्होंने गणित में पूरे 120 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 15वाँ स्थान प्राप्त किया है और कर्नाटक राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वेदांतु के 3 वर्षीय दीर्घावधि बैच के छात्र दक्ष का अटूट अनुशासन, प्रतिबद्धता और प्रक्रिया में विश्वास वास्तव में प्रेरणादायक रहा है। इसके अलावा वेदांतु परिवार को गौरवान्वित करने वाले गोरखपुर के प्रखर सिंह भी हैं, जिन्होंने लॉन्ग टर्म बैच में अखिल भारतीय 92वीं रैंक हासिल की है - जो केंद्रित प्रयास, दृढ़ता और विशेषज्ञ-निर्देशित मार्गदर्शन का परिणाम है। ये उपलब्धियाँ अकेली नहीं हैं। वेदांतु के छात्रों ने मज़बूत और निरंतर प्रदर्शन किया है, जिसमें 8 छात्रों को शीर्ष 100 में, 20 को शीर्ष 500 में और 83 को शीर्ष 5,000 में स्थान मिला है। यह वेदांतु की व्यक्तिगत, परिणाम-उन्मुख शिक्षा पद्धति की सफलता की पुष्टि करता है।

ऑनलाइन और ऑफ़लाइन सफलता प्राप्त करना - वेदांतु की यात्रा एक साहसिक दृष्टिकोण के साथ शुरू हुई : प्रत्येक विद्यार्थी को ऑनलाइन उच्च गुणवत्ता वाली, वैयक्तिकृत शिक्षा उपलब्ध कराना। पिछले कुछ वर्षों में, इस मॉडल ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है - और यह वर्ष भी कुछ अलग नहीं है। दक्ष और प्रखर सहित वेदांतु के कई शीर्ष उपलब्धियाँ हासिल करने वाले विद्यार्थी इसके लॉन्ग टर्म बैच से आते हैं, जो निरंतर मार्गदर्शन, केंद्रित शिक्षा और छात्र-प्रथम शैक्षणिक समर्थन की शक्ति को दर्शाते हैं।

इस मज़बूत आधार पर, वेदांतु ने पूरे भारत में अपने पूर्णत: ऑफ़लाइन लर्निंग सेंटर (वीएलसी) का विस्तार किया। ये केंद्र कठोर शैक्षणिक, संरचित कार्यक्रम, तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम वातावरण में गहन मार्गदर्शन को सर्वोच्च व्यक्तिगत ध्यान के साथ जोड़ते हैं। और अपने पहले पूर्ण शैक्षणिक चक्र में ही, ये वीएलसी प्रभावशाली परिणाम दे रहे हैं।

संस्थापकों ने अविश्वसनीय परिणामों पर विचार किया- वेदांतु के सह-संस्थापक और अकादमिक प्रमुख आनंद प्रकाश ने कहा, हमारे छात्रों को इस स्तर पर सफल होते देखना विनम्र और ऊर्जावान दोनों है। यह और भी खास इसलिए है क्योंकि हर रैंक के पीछे दृढ़ता, विश्वास और स्मार्ट, कड़ी मेहनत की कहानी है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने की संन्यास की घोषणा

नईदिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मैच 11 जून से ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला जाना है. दोनो टीमों ने इसके लिए अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी है और उनके बोर्ड ने फाइनल टेस्ट के लिए अपने अपने स्क्वाड का भी ऐलान कर दिया है.

मेगा टेस्ट फाइनल से केवल 10 दिन पहले आस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने टी20 क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करके सबको चौंका दिया.क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि मैक्सवेल ने यह निर्णय भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी20 विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखते हुए लिया है. बोर्ड ने यह भी बताया कि मैक्सवेल बिग बैश लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं. दिलचस्प बात ये है कि मैक्सवेल ने टेस्ट से अभी तक रिटायरमेंट का ऐलान नहीं किया और न ही चयनकर्ता उनके टेस्ट स्क्वाड में शामिल किए जाने पर विचार किया जा रहा है. उन्होंने अब तक कुल 7 टेस्ट मैच खेले हैं.

वनडे से रिटायरमेंट के अपने निर्णय के बारे में एक पॉडकास्ट में बात करते हुए मैक्सवेल ने कहा, %उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली से बात की और उन्हें बताया कि वह 2027 के वनडे विश्व कप तक नहीं खेल पाएंगे, इस लिए बोर्ड को आगे के बारे में अभी से सोचना शुरू कर देना चाहिए. इसके अलावा, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वह स्वार्थी कारणों से कुछ और श्रृंखला नहीं खेलना चाहते थे और टीम प्रबंधन को अगले वनडे विश्व कप के लिए उनके प्रतिस्थापन की तलाश करने के लिए पर्याप्त समय देना चाहते थे. 36 वर्षीय मैक्सवेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप, बिग बैश लीग और अपनी अन्य वैश्विक प्रतिबद्धताओं के लिए अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है. यानी अब वो सिर्फ टी20 क्रिकेट पर ही फोकस करेंगे. आईपीएल में मैक्सवेल इस साल पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे हैं लेकिन चोट के कारण वो बीच मे ही टूर्नामेंट के छोड़कर देश लौट गए थे.

लेकिन वनडे में मैक्सवेल ने कुल 149 मैच खेले हैं जिस में 33.81 की औसत से 3,990 रन बनाए, जिसमें उनके नाम 4 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं. उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 201 रन है, जो उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 2023 वनडे वर्ल्ड में बनाया था. इसके अलावा वो एक अच्छे ऑफ स्पिनर के रूप में 77 विकेट भी झटके, जिनमें 4 बार चार विकेट हॉल शामिल हैं. वह एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक हैं, उन्होंने इस प्रारूप में 91 कैच भी अपने नाम किए हैं. उनका आखिरी वनडे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मैच था, जहां ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में इंडिया से हार गया था. वह 2015 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम का भी हिस्सा थे.

मई में होंडा की घरेलू बिक्री और निर्यात में आई गिरावट

नईदिल्ली। जापानी कार निर्माता होंडा ने 2 जून को मई के मासिक बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। सेल्स रिपोर्ट के अनुसार, उसने इस अवधि में कुल (घरेलू और निर्यात) 5,985 गाड़ियां बेची हैं। इसकी तुलना में पिछले साल इसी महीने में कुल 11,343 गाड़ियां बेची थी। पिछले महीने घरेलू बिक्री 3,950 रही है, जबकि 2,035 कारों का निर्यात किया गया। इसकी तुलना में मई, 2024 के दौरान घरेलू बिक्री 4,822 और निर्यात 6,521 रहा था।

मासिक आधार पर तुलना की जाए तो मई के कुल बिक्री आंकड़े थोड़े बेहतर रहे हैं। अप्रैल में कार निर्माता ने कुल 4,871 गाड़ियां बेची थीं। इनमें से 3,360 घरेलू बाजार में और 1,511 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेची गईं। इससे पता चलता है कि घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में ही मई का प्रदर्शन अप्रैल की तुलना में बेहतर रहा है। जापानी कंपनी भारतीय बाजार में होंडा एलिवेट, अमेज, सिटी और सिटी हाइब्रिड जैसे मॉडल बेचती है। होंडा कार्स इंडिया के मार्केटिंग और बिक्री के उपाध्यक्ष कुणाल बहल ने कहा, मौजूदा बाजार स्थितियों और कमजोर उपभोक्ता भावना को देखते हुए हमने अपने नेटवर्क में इंवेंट्री स्तरों को बनाए रखा है। उन्होंने बेहतर मानसून के पूर्वानुमानों के चलते आने वाले महीनों में बेहतर खुदरा बिक्री की उम्मीद जताई है। बता दें, होंडा दिसंबर, 1995 से भारत में कारोबार कर रही है। कंपनी का ग्रेटर नोएडा में कॉर्पोरेट कार्यालय और राजस्थान के टपुकड़ा में निर्माण फैक्ट्री है।

हीरो के दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 लाख के पार

नईदिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले महीने 5.08 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर की खुदरा बिक्री दर्ज की है। दोपहिया वाहन निर्माता ने इसकी जानकारी विनियामक फाइलिंग में दी है।

यह बिक्री आंकड़ा मई, 2024 के 4.98 लाख की तुलना में सालाना मामूली 1.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मासिक आधार पर बिक्री की तुलना करें तो यह 66 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है, जब 3.05 लाख दोपहिया वाहन बेचे। यह गिरावट 3 दिन तक चार प्लांट बंद रहने के कारण आई थी।

मई में मोटरसाइकिल बिक्री 4.75 लाख तक पहुंच गई, जो पिछले साल मई की 4.71 लाख की तुलना में मामूली 0.8 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्शाता है।

स्कूटर सेगमेंट ने 32,537 की बिक्री दर्ज की है। यह आंकड़ा अप्रैल की तुलना में मासिक आधार पर 68 फीसदी अधिक है, लेकिन सालाना आधार पर 20.8 फीसदी कम है। अप्रैल और मई महिने की कुल बिक्री 8.13 लाख तक पहुंच गई, जो पिछले साल की 10.32 लाख से 21.2 फीसदी कम है। हीरो की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी शाखा विदा इलेक्ट्रिक ने पिछले महीने 8,361 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं, जिसमें वी2 सेगमेंट के 7,161 इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं। विदा ने इलेक्ट्रिक सेगमेंट में 7.2 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की है और 1 जुलाई को नया स्कूटर लॉन्च की तैयारी कर रही है। दूसरी तरफ बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनी अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिसमें प्रीमिया आउटलेट अब 100 से अधिक स्थानों को कवर करते हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
117/169305	S/R, MOW AND DEPOSITE WORK AT CIRCUIT HOUSE SECTION, UNDER SUB-DIVISION NO.1 RAIPUR (C.G.)	रू. 25.00 लाख
118/169306	S/R, MOW AND DEPOSITE WORK AT MINISTER BUNGLOW CIRCUIT HOUSE SECTION, UNDER SUB – DIVITION NO.1 RAIPUR C.G.	रू. 25.00 लाख
119/169307	S/R, MOW AND DEPOSITE WORK AT NON-RESIDENTIAL BUILDINGS, UNDER SURVEY SUB-DIVISION, RAIPUR (C.G.)	रू. 15.00 लाख
120/169308	S/R, MOW AND DEPOSITE WORK AT RESIDENTIAL BUILDINGS, UNDER SURVEY SUB-DIVISION, RAIPUR (C.G.)	रू. 15.00 लाख
121/169309	S/R, MOW AND DEPOSITE WORK AT HCM HOUSE, SECTION NO.1 UNDER SUB-DIVISION NO.1 RAIPUR (C.G.)	रू. 25.00 लाख
122/169310	S/R, MOW & DEPOSIT WORK OF RESIDENTIAL/NON RESIDENTIAL BUILDING AT PANCHSHEEL NAGAR SECTION UNDER MAINTENANCE SUB-DIVISION RAIPUR (C.G.)	रू. 40.00 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 19.06.2025 समय सायं 5:30 बजे तक बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **https://eproc.cgstate.gov.in** पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

G-252601298/2

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 04 जून 2025

खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन पर कार्यवाही

रायपुर (विसं)। जिला प्रशासन बिलासपुर के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 3 जून को खनिज अमले द्वारा रतनपुर, लखराम, अकलतरी, सरवनदेवरी, गढ़वट एवं चोरहादेवरी क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चोरहादेवरी, गढ़वट और सरवनदेवरी क्षेत्रों में खारंग नदी से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करते पाए गए 6 ट्रैक्टरों तथा ईंट का अवैध परिवहन कर रहे 1 ट्रैक्टर सहित कुल 7 वाहनों को खनिज नियमों के तहत जब्त किया गया। सभी वाहनों को पुलिस थाना रतनपुर की सुपुर्दगी में रखा गया है।

दानी परिवार में विवाहोत्सव

चि. आदित्यवर्धन संग सौ.का. स्वाति
दानी का शुभ विवाह सानंद सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर के लब्ध प्रतिष्ठित व्यापारी श्री अजय दानी-श्रीमती प्रीति दानी के सुपुत्र चि. आदित्यवर्धन का श्री प्रकाश गोयल-श्रीमती सविता गोयल की सुपुत्री सौ.का. स्वाति के साथ मंगल परिणयोत्सव दिनांक 02 जून 2025, दिन सोमवार को रायपुर के वी.आई.पी. रोड़ स्थित ओमाया गार्डन में सानंद संपन्न हुआ। शुभ विवाह के उपरांत आयोजित भव्य आशीर्वाद समारोह में नव युगल को सगे संबंधियों, समाजसेवी जनो, राजनेताओं, इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं भेंट की।

सभी आगत जनो का स्वागत श्री अजय दानी, श्री विजय दानी, श्री शिवशंकर दानी, श्री अंकित दानी, श्री अतिन दानी एवं समस्त दानी परिवार ने किया।

दैनिक विश्व परिवार नव दंपति के यशस्वी, सुमंगल, सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना करता है।

छत्तीसगढ़ में हस्तशिल्प विकास की अपार संभावना : सीएम विष्णुदे साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने हस्तशिल्पियों को औजार उपकरण योजना अंतर्गत अनुदान राशि का किया वितरण

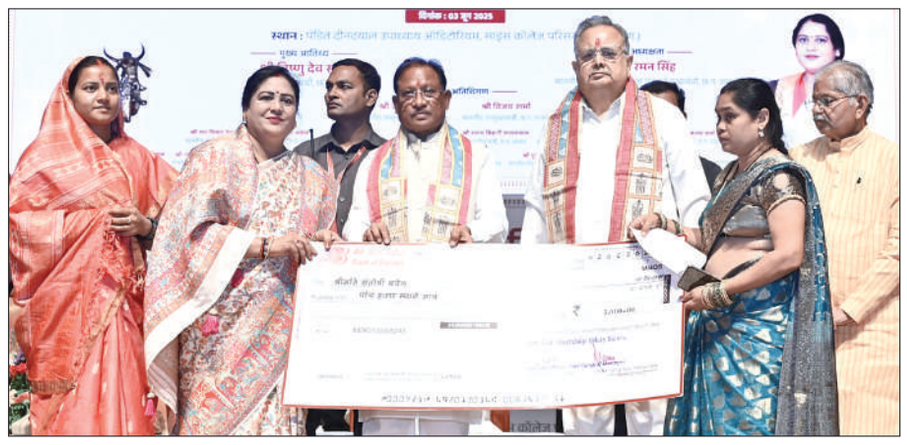

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हस्तशिल्प विकास की अपार संभावनाएं हैं। यहां की कलाकृतियों की मांग विदेशों तक है। छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और हस्तशिल्पियों को उनके हुनर की उचित कीमत दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने हस्तशिल्पियों को औजार उपकरण योजना अंतर्गत पाँच पांच हजार रुपये की अनुदान राशि का वितरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ शिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड शिल्पकारों की बेहतरी के लिए कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक इलाके में हस्तशिल्पी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। सुशासन तिहार के दौरान मुझे कोंडागांव के शिल्पग्राम जाने का मौका मिला। वहाँ मैंने शिल्पकारों से मुलाकात की और उनकी कला को करीब से देखा। इसी प्रकार रायगढ़ के एकताल में भी शिल्पकार धातु से कलाकृतियाँ बनाते हैं। बस्तर में काष्ठशिल्प से लकड़ी की सुंदर आकृतियाँ बनाई जाती हैं। पूरे प्रदेश में हस्तशिल्पियों का हुनर अद्भुत है। आज इस कार्यक्रम में मुझे जो सुंदर टोपी भेंट की गई, वह छिंद और कांसा से बनाई गई थी। जशपुर में हमारे गाँव के नजदीक कोटामपानी में भी छिंद और कांसा से बहुत सुंदर-सुंदर कलाकृतियाँ बनाई जाती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिल्पकारों को अधिक से अधिक प्रशिक्षण देने की जरूरत है। यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि हस्तशिल्प का कार्य ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में होता है। इसलिए हस्तशिल्प विकास के द्वारा हम बहुत बड़े पैमाने पर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं। मुझे आशा है कि हस्तशिल्प विकास बोर्ड इस ओर कार्य करेगा और शिल्पकारों को प्रशिक्षण के साथ ही उन्हें लोन-सब्सिडी भी अधिक से अधिक दिलाकर रोजगार से जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव के डोकरा आर्ट की विदेशों में माँग है। यह जरूरी है कि शिल्पकारों को बाजार के साथ उत्पाद की उचित कीमत मिले। बिना बिचौलियों के हस्तशिल्पियों की पहुँच सीधे बाजार तक हो, ताकि उन्हें अधिक से अधिक लाभ मिले। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के गढ़बेंगाल के पंडी राम मांझी को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। छत्तीसगढ़ की कला हमारे देश की शान है, इसे पूरी दुनिया में पहचान मिलनी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कलाकारों के हाथ में चमत्कार है। चाहे वह मिट्टी के खिलौनों की बात हो या बेल मेटल, कसीदाकारी, गोदना और टेराकोटा की, प्रदेश के हस्तशिल्पी अपनी कला के बहुत सुंदर उत्पाद बना रहे हैं। छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों में भागीदारी होनी चाहिए। हमारे शिल्पकारों के पास कुदरती हुनर है। बड़े पैमाने पर हस्तशिल्प उत्पादन के लिए डिज़ाइनरों को भी जोड़ने की जरूरत है।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुनील सोनी, श्री आशाराम नेताम, श्री गजेंद्र यादव, विभिन्न निगम-मंडल-आयोग के अध्यक्षगण, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री जेपी मौर्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्रीरामजीलाल जी को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

रायपुर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ समाजसेवी, गौसेवक श्रीरामजीलाल जी अग्रवाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है लगातार देश भर से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्यजन उनके रायपुर स्थित निवास पर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ नरेश बंसल समेत पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय, पूर्व मंत्री श्री पूनम चंद्राकर, विधायक श्रीमती भावना बोहरा, विधायक श्रीमती गोमती साय,तितलागढ़ विधायक श्री नवीन जैन, विधायक सुश्री लता उसेंडी, तथा खारियार रोड नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सोनिया गोल्डी अग्रवाल, श्री राजीव लोचन जी महाराज ने स्वर्गीय श्रीरामजीलाल जी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए और परिवार को ढांढस बंधाया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत प्रचारक श्री नारायण नामदेव जी भी विशेष रूप से पहुंचे और पूज्य श्रीरामजीलाल जी को संस्कारों, राष्ट्रभक्ति व सेवा के प्रतीक बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

इसके साथ ही वंदे मातरम मित्र मंडल, नरेंद मोदी विचार मंच, माहेश्वरी सभा, थोक किराना व्यापारी संघ, जागृति मंडल, श्री गुढियारी गणेशोत्सव समिति विभिन्न सामाजिक संगठन ने भी श्रीरामजी लाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। दाऊदी बोहरा समाज के प्रमुख वालीमुल्लाह शेख फजल अब्बास सैफी, मोइज भाई सड्डुवाला, तथा मुफद्दल अजीज, फिरोज गांधी समेत सिख समाज के वरिष्ठजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राया (RAAYA) लेकर आया महाराष्ट्र का सबसे प्रिय पारंपरिक मेंसवियर अब रायपुर में

रायपुर (विश्व परिवार)। पुणे, महाराष्ट्र से शुरू हुआ प्रतिष्ठित भारतीय मेंसवियर ब्रांड RAAYA ने आज रायपुर में अपने सबसे भव्य स्टोर का उद्घाटन किया। यह नया स्टोर पंडरी मेन रोड पर, निरंकारी फर्नीचर के बगल में, क्लॉथ मार्केट जंक्शन पर स्थित है और अब रायपुर का नया प्रीमियम डेस्टिनेशन बन गया है लक्ज़री इंडियन एथनिक वियर के लिए।

स्टोर का उद्घाटन श्री नागराज जैन (संस्थापक, जयहिंद ग्रुप), निदेशक श्री दिनेश जैन एवं श्री मनुलाल अग्रवाल के कर-कमलों द्वारा किया गया, अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में। RAAYA के युवा संस्थापक श्री प्रेशित जैन अपनी दूरदृष्टि और स्टाइल की समझ के साथ इस ब्रांड को नए आयामों तक ले जाने के मिशन पर हैं-जिसमें परंपरा, शिल्पकला और आधुनिकता का सुंदर समन्वय एक सुलभ मूल्य पर प्रस्तुत किया गया है। RAAYA रायपुर में पारंपरिक परिधान की विविध रेंज को बेहद सोच-समझकर प्रदर्शित किया गया है- कुर्ता, सूट, इंडो-वेस्टर्न, बंधगला और शेरवानी। त्यौहारों से लेकर शादी-ब्याह तक, यह स्टोर पुरुषों के लिए सम्पूर्ण पारंपरिक वार्डरोब समाधान प्रदान करता है, जिसमें बारीकी, फैब्रिक की गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान दिया गया है। लॉन्च के अवसर पर श्री प्रेशित जैन ने कहा कि RAAYA वह स्थान है जहाँ विरासत आकांक्षा से मिलती है। रायपुर के साथ हम एक नए और जीवंत अध्याय का स्वागत करते हैं-जहाँ परंपरा को सिर्फ सहेजा नहीं जाता, बल्कि स्टाइल के साथ मनाया भी जाता है। RAAYA का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है और भारत के पारंपरिक मेंसवियर ब्रांड्स में एक अग्रणी नाम बनना है।

वार्षिक पत्रिका-मैक लाइट के 19वे संस्करण का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। आज महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, मैक कॉलेज की 19वीं मैगजीन का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साईं जी के कर कमलों द्वारा हुआ, जिसमें चेयरमैन रमेश अग्रवाल जी, पूर्व चेयरमैन राजेश अग्रवाल जी, प्रिंसिपल डॉक्टर एम एस मिश्रा जी, एडमिनिस्ट्रेटर शिवांगी मिश्रा जी उपस्थित हुए, इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने ट्रस्टियों के मुझे खुशी है। द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा के क्षेत्र में कॉलेज के माध्यम से चल रही गतिविधियों की जानकारी दी, माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि वर्तमान स्थिति में यह महाविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है जिसकी आवश्यकता है और इस बात की

मैगजीन में छात्र-छात्राओं की गतिविधि तथा महाविद्यालय की विस्तृत जानकारी दी गयी है। छात्र छात्राओं तथा महाविद्यालय के शिक्षक गणों के उपलब्धिओ को विशेष रूप से दर्शाया गया साथ ही मैगज़ीन मे एकेडमिक उपलब्धियों के साथ-साथ नॉन एकेडमिक उपलब्धियों को भी विशेष स्थान दिया गया। महाविद्यालय की मैगजीन में लाइट सभी छात्राओं वह शिक्षकों के विचारों व उनकी उपलब्धियो का संकलन है। मैगजीन का संपादन महाविद्यालय के इंटीरियर डिजाइन डिपार्टमेंट की विभागाध्यक्ष आरिटेक्ट प्रीति साहू व उनकी पूरी टीम द्वारा किया गया है।

रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा 3 से 9 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अवसर पर दिनांक 03 से 09 जून 2025 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 03 जून 2025 को संरक्षा अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वोलेंटियर के द्वारा विभिन्न समपार फाटकों जैसे खमतराई फाटक (समपार फाटक-417), उरकुरा पश्चिम फाटक (समपार फाटक-415), खमतराई मार्केट एवं भनपुरी पेट्रोल पंप में जाकर लोगों को पॉमप्लेट वितरण करके, स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों को फाटक बंद होने पर उसे पार न करने की काउंसलिंग की गई तथा समपार फाटक को सही तरीके से पार करने एवं इससे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए कुल लगभग 250 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इस अवसर पर रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया जा रहा है।

सी.एस.पी.टी.सी.एल. (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल) के कर्मचारियों का छत्तीसगढ़ में नेत्र उपचार और शल्य चिकित्सा हेतु कैशलेस सुविधा बंद

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के विभिन्न नेत्र अस्पताल से सी. एस.पी.टी.सी.एल. का कैशलेस सेवायें हेतु अनुबंध हुआ था। अनुबंध पश्चात् लगातार एवं बार बार सी.एस.पी.टी.सी.एल. द्वारा नए नियम एवं शर्तें, बगैर विचार विमर्श के एकतरफा थोपे गए लगातार अनुबंध शर्तों को संशोधित किया गया और अनुबंध शर्तों का उल्लंघन किया गया।

समाधान हेतु पत्र व्यव्हार का भी कोई त्वरित उचित एवं पर्याप्त जवाब प्राप्त नहीं हुआ। एडीडीएल. मुख्य अभियंता (एच.आर.) सी.एस.पी.टी.सी.एल. के तुगलकी फरमान, गैर सम्मानजनक एवं गैर पेशेवर व्यव्हार से समस्त सेवा प्रदाताओं नेत्र अस्पताल एवं छत्तीसगढ़ नेत्र चिकित्सक संघ रुष्ट है। उनके कुछ आरोप आपत्तिजनक, बेतुके, बेबुनियाद और अर्धसत्यों से भरपूर एवं तथ्यों से परे हैं। उनके कुछ निर्देश बॉर्डरलाइन गैर क़ानूनी एवं मानहानि के दायरे में आते हैं। इस स्थिति में छ.ग. नेत्र चिकित्सक संघ एवं सेवा प्रदाताओं सेवायें देने में असमर्थ है।

छ.ग. नेत्र चिकित्सक संघ एवं सी.एस.पी.टी.सी.एल. से अनुबंधित सेवा प्रदाताये 1 जून 2025 से सी.एस.पी.टी.सी.एल. के कर्मचरियों को कैशलेस सुविधा बंद कर रहे हैं। हालांकि सी.एस.पी.टी.सी.एल. के कर्मचारियों के हित को देखते हुए उनका इलाज हॉस्पिटल की दरों के अनुसार जारी रहेगा।

समस्त कर्मचारी अपने सेवा शर्तों के अनुसार सी.एस.पी.टी.सी.एल. से रिम्बर्समेंट क्लेम कर सकते हैं।

सी.एस.पी.टी.सी.एल. के कर्मचारियों को होने वाली असुविधा के लिए एडीडीएल. मुख्य अभियंता एच.आर. जिम्मेदार है। अगर अनुबंध शर्ते व्यावहारिक एवं सम्मानजनक होंगी तो भविष्य में हमारे निर्णय पर पुनर्विचार किया जा सकेगा।

बीरगांव आयुक्त युगल किशोर उर्वशा ने दैनिक मूलभूत कार्यों का किया निरीक्षण

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिका निगम बिरगांव के दैनिक मूलभूत कार्यों का निरीक्षण के लिए प्रात: आयुक्त नगर पालिका निगम बिरगांव युगल किशोर उर्वासा एवं उनकी टीम के द्वारा उरकुरा क्षेत्र के मूलभूत कार्यों सफाई पेयजल विद्युत के साथ-साथ नगर में चल रहे विभिन्न विकास निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया इस दौरान वार्ड क्रमांक 19 सप्रे कॉलोनी उरकुरा के खाली प्लाट में अधिक मात्रा में कचरा अपशिष्ट पाए जाने पर यशवंत वर्मा प्रोपराइटर मैसेज चंचल एंटरप्राइजेज को राशि रुपए 15000 रुपए का फाइन मौके पर ही लगाया गया और इस प्रकार की कार्य में लापरवाही एवं भविष्य में पुनरावृति पाए जाने पर अनुबंध शर्तों का पालन नहीं करने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

अबूझमाड़ के कुतुल तक पहुँची बस सेवा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र में विकास की नई रफ्तार देखने को मिल रही है। नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत नारायणपुर जिले के अंदरूनी इलाकों में 14 नवीन पुलिस कैंपों की स्थापना के बाद वहां सड़क, पुल-पुलियों एवं मोबाइल कनेक्टिविटी का तेज़ी से विस्तार हो रहा है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा 13 मई 2025 को पहली बार ग्राम कुतुल तक नारायणपुर से सीधी बस सेवा प्रारंभ की गई। यह बस सेवा जिला मुख्यालय से लगभग 49 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कुतुल के साथ-साथ कुरूषनार, बासिंग, कुंदला, कोहकामेटा, ईरकभट्टी, कच्चापाल और कोडलियर जैसे दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

बाढ़ से बचाव को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की तैयारियों की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने जिले में बाढ़ और आपदा से राहत के लिए तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कुछ दिनों के भीतर मानसून आने की संभावना है। जिले की सभी तहसीलों और नगर निगम में बाढ़ के संभावित स्थानों को चिन्हित करें। सभी एसडीएम अपने राजस्व अमलों के साथ स्वयं तहसीलों का दौरा करें और ग्रामीणों से चर्चा कर आपदा राहत की कार्ययोजना बनाएं। गांव-नदीतट में गोताखोरों की तैनाती रखें। तैयारियां समय से पूर्व कर ले जिससे बाढ़ जैसी आपदा का सामना सक्षमता और प्रभावी ढंग से कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और संकटग्रस्त व्यक्ति समूहों की पहचान कर ले। दिव्यांग, बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं एवं धातृ माताओं की सूची विशेष रूप से तैयार कर लें।

कैट छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में ऑपरेशन सिन्दूर, संकल्प, वोकल फॉर लोकल

प्रदेश स्तरीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन 6 जून को मैक कॉलेज ऑडिटोरियम में

रायपुर (विश्व परिवार)। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील सिंघी, अध्यक्ष राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजेश मूणत, विधायक रायपुर पश्चिम विधानसभा होगें।

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, प्रदेश एक्सक्यूटिव चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरिंदर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में ऑपरेशन सिन्दूर, संकल्प, वोकल फॉर लोकल, प्रदेश स्तरीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन 6 जून को दोपहर 3:30 बजे मैक कॉलेज ऑडिटोरियम में होगा।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि कैट छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में ऑपरेशन सिन्दूर, संकल्प, वोकल फॉर लोकल, प्रदेश स्तरीय व्यापारी सम्मेलन दिनांक 6 जून 2025 दिन शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे महाराजा अग्रसेन इन्टरनेशनल कॉलेज मैक कॉलेज ऑडीटोरियम समता कॉलोनी रायपुर में आयोजित किया गया है। उपरोक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन होगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील सिंघी, अध्यक्ष राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) करेगें। तथा कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि राजेश मूणत, विधायक रायपुर पश्चिम विधानसभा होगें।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं विधायक राजेश मूणत से मुलाकात में कैट युवा कैट एवं राजनांदगांव इकाई के पदाधिकारी मुख्य रूप से अमर पारवानी, जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, सुरिन्द्रर सिंह, राजेन्द्र खटवानी, गोल्डी जैन, विजय पटेल, भास्कर साहू, राजू डागा, राजा मखीजा, संजय तेजवानी, शरद अग्रवाल, गुरुमुख दास वाधवा, अपठित संदेश, अकरम कुरैशी, अरुण शुक्ला, आलोक बिंदल, चिन्टू बग्गा, आकाश चोपडा, अमित खण्डेलवाल एवं संजय रिजवानी उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354